कल यानी 1 जून 2024 को सातवां व आखिरी चरण में जिन सीटों पर वोटिंग होगी उनमें उत्तर प्रदेश की 13 पंजाब की 13 पश्चिम बंगाल की नौ बिहार की आठ ओडिशा की छह हिमाचल की चार और झारखंड की तीन सीट और चंडीगढ़ शामिल हैं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:170 दिनांक: 01-06-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

अमेरिका का पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हश मनी मामले में दोषी करार दिए गए हैं। 12 सदस्यों की जूरी ने हश मनी मामले के 34 आरोपों में डोनाल्ड ट्रंप को दोषी माना है। ट्रंप की सजा पर 11 जुलाई को सुनवाई की जाएगी।

गर्मी... 24 घंटे में 287 मौतें उप्र में 171, बिहार में 67, ओडिशा में 43, झारखंड 13, राजस्थान में 8 मौतें

नई दिल्ली(ईएमएस)। भट्ठी की तरह झुलस रहे देश के कई राज्यों में गर्मी जानलेवा साबित हो रही है। चलते-चलते सडक़ पर गिर जाना, बेहोश होकर मौत के आगोश में चले जाना आम बात हो गई है। पिछले 24 घंटे में देश में गर्मी के चलते 287 से अधिक लोगों की मौत हो गई। सर्वाधिक 171 मौतें उत्तरप्रदेश में हुईं, जबकि बिहार में 67 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह ओडिशा में 43, झारखंड में 13 और राजस्थान में 8 मौतें हुईं।

यूपी में सर्वाधिक 72 मौतें वाराणसी और आसपास के जिलों में हुईं। वहीं 47 की मौत बुंदेलखंड और कानपुर मंडल में हुई। इनमें महोबा में 14, हमीरपुर में 13, बांदा में पांच, कानपुर में चार, चित्रकूट में दो, फर्रुखाबाद, जालौन और हरदोई में एक-एक मौत हुई। इसके अलावा प्रयागराज में 11, कौशांबी में नौ, झांसी में छह, आंबेडकर नगर में चार, गाजियाबाद में एक नवजात समेत चार, गोरखपुर व आगरा में तीन, प्रतापगढ़, रामपुर, लखीमपुर, शाहजहांपुर और पीलीभीत में भी एक-एक की मौत हो गई। बिहार में भी 60 लोगों की मौत हो गई। सर्वाधिक 20 मौतें औरंगाबाद जिले में हुईं। दिल्ली में पहली मौत हुई। जिस मजदूर की जान गई, उसे 107 डिग्री बुखार था। हरियाणा में भी दो मौतें हुईं। उधर, राजस्थान, बिहार, ओडिशा और मध्यप्रदेश में भी मौत के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। ओडिशा में एक ही दिन में 41 लोगों की मौत हुई, वहीं राजस्थान में 5, झारखंड में 11 लोगों की मौत का समाचार है। देशभर में पिछले एक सप्ताह में गर्मी से मरने वालों की संख्या 500 से भी अधिक हो गई है।

सीधी में पारा 48 पार

मध्यप्रदेश में भी भीषण गर्मी के बाद अब जल संकट भी उत्पन्न होने लगा है। प्रदेश के सीधी में 48.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जो प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग ने आज भी 18 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। सीधी के अलावा खजुराहो में 47, पृथ्वीपुर में 46.6, छतरपुर में 46.5, सिंगरौली में 40.3 और शिवपुरी में 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में फैसला सुरक्षित

मुस्लिम पक्ष ने कहा- मामला सुनने योग्य नहीं, हिंदू पक्ष बोला- नियमों के खिलाफ दी गई जमीन

प्रयागराज(ईएमएस)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में दायर 18 याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज सुनवाई पूरी की। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। गर्मी की छुट्टियों के बाद कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। जिसमें तय हो जाएगा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिका सुनने योग्य है या नहीं।

हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ऑर्डर 7, रूल 11 के तहत चुनौती दी। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने बहस के दौरान कहा- मथुरा कोर्ट में दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। मामला पूजा स्थल अधिनियम 1991 और वक्फ एक्ट के साथ लिमिटेशन एक्ट से बाधित है। इसलिए इस मामले में कोई भी याचिका न तो दाखिल की जा सकती है और न ही उसे सुना जा सकता है। हिंदू पक्ष की तरफ से कहा गया- इस मामले पर न तो पूजा स्थल अधिनियम का कानून और न ही वक्फ बोर्ड कानून लागू होता है। शाही ईदगाह परिसर जिस जगह मौजूद है वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन है। समझौते के तहत मंदिर की जमीन को शाही ईदगाह कमेटी को दी गई है। जो नियमों के खिलाफ है।

डोनाल्ड ट्रंप दोषी करार, 11 जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

-बाइडेन परेशान, टीम ने अपने समर्थकों को टेक्स्ट वार्निंग भेजी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका का पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हश मनी मामले में दोषी करार दिए गए हैं। 12 सदस्यों की जूरी ने हश मनी मामले के 34 आरोपों में डोनाल्ड ट्रंप को दोषी माना है। अमेरिका के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मामले में दोषी ठहराया गया है। ट्रंप की सजा पर 11 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबत बढ़ गई है। इस मामले में ट्रम्प को जेल भी हो सकती है और नहीं भी। ट्रंप दोषी पाए उनके राजनीतिक विरोधी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन खुश नहीं है वह परेशान नजर आ रहे हैं।

दरअसल, जो बाइडेन की परेशानी की वजह भी डोनाल्ड ट्रंप ही हैं। बाइडेन को शक है कि ट्रंप अब अमेरिकी चुनाव में खुलकर पैसों का इस्तेमाल करेंगे। इस फैसले के बाद ट्रंप फंड रेजिंग का एक नया रिकॉर्ड बनाएंगे। टीम बाइडेन ने कैंपेन के हिस्से के रूप में अपने समर्थकों को टेक्स्ट वार्निंग भेजा है। संदेश में कहा गया है कि यह वे पैसे हैं, जिनका इस्तेमाल डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में वापस आने के लिए करेंगे, ताकि अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बदला लेने और धमकियों को पूरा कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन टीम के टेक्स्ट मैसेज में यह भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराने का एकमात्र तरीका वोट देना ही है।

बता दें कि अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। डोनाल्ड ट्रंप न केवल पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिन्हें किसी अपराध का दोषी पाया गया है, बल्कि वे राष्ट्रपति चुनाव अभियान के बीच में किसी अपराध का दोषी पाए जाने वाले पहले बड़ी पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी हैं। अगर वे राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन को हरा देते हैं, तो वे इतिहास में पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे, जो किसी अपराधी के रूप में दोषी पाए गए हैं।

दरअसल, अमेरिका में बिजनेस रिकॉर्ड छिपाना या उसमें धोखाधड़ी करना बड़ा अपराध माना जाता है। इसमें जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान हैं। अब सवाल उठता है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा होगी? तो यह संभव नहीं दिखता है। उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है या फिर उन्हें नजरबंद किया जा सकता है। जेल हो, यह शायद संभव नहीं। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में फर्स्ट टाइम ऑफेंडर को जेल की सजा रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मामले में ही मिलती है। इसमें देखा जाता है कि उसका क्रिमिनल बैकग्राउंड है या नहीं। हालांकि, यह सब कुछ जज और केस की मेरिट पर डिपेंड करता है।

बिभव 14 दिन की ज्यूडिशिल कस्टडी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वाति मालीवाल मारपीट केस में दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा है। सुबह हुई सुनवाई में कोर्ट ने बिभव की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बिभव ने बुधवार को याचिका लगाकर अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए मुआवजे और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की मांग की थी। जस्टिस शर्मा ने इस मामले में दिल्ली पुलिस और बिभव कुमार के वकीलों की दलीलें सुनीं हैं। बिभव की याचिका पर पहले जस्टिस नवीन चावला की बेंच सुनवाई करने वाली थी। हालांकि, जस्टिस चावला ने मामले को जस्टिस शर्मा की बेंच को ट्रांसफर कर दिया था।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध वस्तु मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार शाम को अचानक हड़कंप मच गया। पुलिस उपायुक्त रेलवे ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध वस्तु मिलने से अफरा तफरी मच गई, बताया जा रहा है की कूड़े के ढेर में कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। बम निरोधक दस्ता से इसकी जांच कराई गई। हालाँकि इसमें कोई विस्फोटक नहीं मिला है। नई दिल्ली स्टेशन पर जो मिला है वो आर्मी की ट्रेनिंग में इस्तेमाल होने वाला ग्रेनेड वॉल है। इसमें पटाखे का बारूद डालकर इसे ट्रेनिंग में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कोई विस्फोटक नहीं है, जिससे जान-माल का कोई नुकसान नहीं होता है।

8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग आज

वाराणसी से पीएम मोदी मैदान में; कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 एक्टर भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, टीएमसी 9, बीजद 4, जेडीयू और अपना दल (एस) 2-2, जेएमएम महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 3 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह, रविशंकर प्रसाद और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है।

199 कैंडिडेट्स पर क्रिमिनल केस

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 199 कैंडिडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं 155 उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 13 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 4 उम्मीदवारों पर हत्या और 21 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 27 उम्मीदवारों पर दर्ज हैं। 3 उम्मीदवारों के खिलाफ दुष्कर्म (आईपीएस-376) का केस दर्ज है। वहीं, 25 कैंडिडेट्स पर भडक़ाऊ भाषण देने का केस दर्ज है।

33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति, भाजपा के सबसे ज्यादा 48

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में 904 उम्मीदवारों में से 33 फीसदी यानी 299 करोड़पति हैं। इन कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 3.27 करोड़ रुपए है। सबसे ज्यादा भाजपा के 44 उम्मीदवार करोड़पति हैं। बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल सबसे अमीर कैंडिडेट हैं। उनके पास 198 करोड़ की संपत्ति है। लिस्ट में दूसरा नाम ओडिशा से भाजपाकैंडिडेट बैजयंत पांडा (148 करोड़ रुपए) और तीसरा नाम चंडीगढ़ से भाजपा कैंडिडेट संजय टंडन (111 करोड़ रुपए) का है। शिरोमणि अकाली दल के सभी 13, आम आदमी पार्टी के सभी 13, बीजू जनता दल के सभी 6 कैंडिडेट करोड़पति हैं। सपा के 9, झरूष्ट के 8, कांग्रेस के 30 और ष्टक्कढ्ढ-रू के 4 कैंडिडेटस की संपत्ति एक करोड़ या उससे ज्यादा है। सबसे कम संपत्ति वाले उम्मीदवारों में ओडिशा के जगतसिंहपुर से उत्कल समाज की उम्मीदवार भानुमती दास का नाम है। उनके पास 1500 रुपए की संपत्ति है। इनके अलावा पंजाब के लुधियाना से जन सेवा ड्राइवर पार्टी के राजीव कुमार मेहरा और पश्चिम बंगाल के जादवपुर से निर्दलीय उम्मीदवार बलराम मंडल के पास 2500 रुपए की कुल संपत्ति है।

चक्रवात रेमल के कारण 30 से ज्यादा लोगों की मौत, पीएम मोदी ने आर्थिक मदद का किया एलान

नई दिल्ली। चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण पश्चिम बंगाल समेत कई पूर्वी राज्यों में भारी बारिश और भूस्खलन में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। वहीं, अब चक्रवात रेमल के कारण अपनी जान गंवाने वाले और घायलों के परिवारों को पीएम मोदी ने आर्थिक मदद का एलान किया है।

उन्होंने असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में चक्रवात रेमल के कारण जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों को 50000 रुपये देने का एलान किया है। चक्रवात रेमल के कारण अपनी जान गंवाने वाले और घायलों के परिवारों को पीएम मोदी ने आर्थिक मदद का एलान किया है। उन्होंने असम मणिपुर मेघालय मिजोरम त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में चक्रवात रेमल के कारण जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के परिवारों को 50000 रुपये देने का एलान किया है।

चक्रवात के कारण पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों में सड़क और रेल संपर्क भी प्रभावित हुआ है। मिजोरम में 29 लोग मारे गए, जिनमें से 25 की मौत आइजोल जिले में खदान ढहने से हुई, जबकि नगालैंड में चार, असम में तीन और मेघालय में दो लोगों की मौत हुई है।

तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए और बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हुई है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लुमडिंग डिवीजन के अंतर्गत न्यू हाफलोंग-जटिंगा लामपुर सेक्शन और डिटोकचेरा यार्ड के बीच जलभराव के कारण कई ट्रेनें या तो रद कर दी गईं

मिर्ज़ापुर में काल बनी हीट वेव, 6 होम गाड्र्स समेत 9 लोगों की मौत

मिर्ज़ापुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर में हीट वेव काल बन गयी। यहाँ चुनाव डयूटी में लगे 6 होम गाड्र्स समेत 9 लोगों की हीट वेव से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पहले से बीमारी और उसके बाद गर्मी की वजह से इन्होंने दम तोड़ दिया। कुल 23 जवान मेडिकल कॉलेज में भर्ती हुए थे, जिनमें 6 की मौत हुई है। जिन जवानों की मौत हुई है, उन सभी को पहले से कोई ना कोई बीमारी थी। अभी दो जवानों की हालत गंभीर है।

मिर्जापुर में एक जून यानी शनिवार को सातवें चरण के तहत लोकसभा चुनाव के लिये मतदान होगा। उधर, बढ़ती गर्मी को देखते हुए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देखा जा रहा है कि तापमान बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं। राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेज गर्मी और लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जरूरत हो तो अतिरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने/तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें।

एयर इंडिया की उड़ान 8 घंटे लेट.......बिना एयर कंडीशनिंग विमान में बेहोश हुए यात्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में 8 घंटे से अधिक की देरी हुई, इससे बिना एयर कंडीशनिंग के विमान के अंदर इंतजार करते कुछ यात्री बेहोश हो गए। बता दें कि एयर इंडिया की फ्लाइट 30 मई को ठीक 3 बजकर 20 मिनट पर दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन कई घंटों की देरी के बाद, 31 मई सुबह 11 बजे फ्लाइट ने दिल्ली एयरपोर्ट से टेक ऑफ किया।

इस दौरान एक यात्री ने कहा कि एयर इंडिया की उड़ान 8 घंटे से अधिक देर से थी, और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को विमान में चढ़ने और बिना एयर कंडीशनिंग के बैठने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों के बेहोश होने के बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकलने के लिए कहा गया। उन्होंने अपने पोस्ट में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग कर पूरी घटना को अमानवीय बताया। यात्री ने ट्वीट किया, अगर कोई निजीकरण की कहानी है जो विफल रही है, तब वह एयर इंडिया है।

उनके पोस्ट के जवाब में, एयर इंडिया ने उन्हें यात्रियों को आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। एयरलाइंस ने जवाब दिया, हमें व्यवधानों पर खेद है। एयर इंडिया की फ्लाइट 30 मई को ठीक 3 बजकर 20 मिनट पर दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन कई घंटों की देरी के बाद, 31 मई सुबह 11 बजे फ्लाइट ने दिल्ली एयरपोर्ट से टेक ऑफ किया। कृपया निश्चिंत रहें कि हमारी टीम देरी को संबोधित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है और आपके निरंतर समर्थन और समझ की सराहना करती है।

लोकसभा चुनाव के बाद अब दिल्ली में पानी को लेकर सियासत

केजरीवाल ने कहा-भीषण गर्मी में पानी की जरूरत पूरा करना सबकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में लोकसभा चुनाव खत्म होते ही अब पानी को लेकर राजनीति शुरु हो गई है। दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच शहर में पानी की किल्लत से हाहाकार मच गया है। पानी को लेकर अब सियासी होने लगी है। पानी की किल्लत को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार ने कोर्ट में एक याचिका दायर की है जिसमें दिल्ली को ज्यादा पानी सप्लाई करने के लिए हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश को निर्देश देने की मांग की गई है।

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि भीषण गर्मी में दिल्ली को ज्यादा पानी की ज़रूरत है। ऐसी भीषण गर्मी में पानी की जरूरत पूरा करना सबकी जिम्मेदारी है। दिल्ली को हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए अतरिक्त पानी दी जाए। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी रोकने का आरोप लगाया है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पानी की जरूरतों को पूरा करने की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया है। केजरीवाल ने शुक्रवार को बीजेपी से आग्रह किया कि वह हरियाणा और यूपी सरकारों से दिल्ली को एक महीने तक पानी देने के लिए कहे। उन्होंने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ बीजेपी द्वारा आज जो विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि इस विरोध से समस्या का समाधान नहीं होने वाला। केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- मेरी सभी से हाथ जोड़ कर विनती है कि इस समय राजनीति करने की बजाय मिलकर दिल्ली के लोगों को राहत दिलवाएं।

उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी यूपी और हरियाणा की अपनी सरकारों से बात करके एक महीने के लिए दिल्ली को पानी दिलवा दे तो दिल्ली वाले इस कदम की सराहना करेंगे। हम सब मिलकर काम करें तो लोगों को राहत दिलवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पानी की मांग बहुत बढ़ गई है और दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से मिलने वाला पानी भी कम हो गया है।

बाप रे बाप..........ईरान में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

तेहरान (ईएमएस)। ईरान में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है। हीटवेव लगातार दुनिया में बढ़ते तापमान का रिकॉर्ड तोड़ रहा है। 2022 में इंग्लैंड का तापमान जुलाई महीने में 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच था। पिछले साल 2023 में चीन का एक कस्बा 52 डिग्री सेल्सियस गर्मी झेल रहा था। वहीं साल 2021 में इटली के सिसली में पारा 48.8 डिग्री पहुंचा था।

बात दें कि 66 डिग्री सेल्सियस का हीट इंडेक्स होता है, यानी वहां जानलेवा है। इस तापमान को इंसानी शरीर बर्दाश्त नहीं कर सकता। एक रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2013 से 2023 के बीच धरती के तापमान में 40 फीसदी का इजाफा हुआ है।

नर्सिंग कॉलेज घोटाले से बड़ा,सरकारी स्कॉलरशिप घोटाला,कांग्रेस का आरोप, विश्वास सारंग की चुप्पी

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य में इन दिनों सुर्खियों में बने हुए कथित नर्सिंग घोटाले में अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों को मिलने वाली सरकारी स्कॉलरशिप में भी घोटाले का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता सिंघार ने पोस्ट में कहा कि नर्सिंग कालेज घोटाले का एक बड़ा पहलू है, अजा-अजजा के छात्रों को मिलने वाली सरकारी स्कॉलरशिप का घोटाला। इसमें कॉलेज द्वारा छात्रों से फीस लेने और उन्हें मिलने वाली स्कॉलरशिप का भी बड़ा घोटाला है। इसकी भी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोहन सरकार लाचार है, इस घोटाले के समय मंत्री रहे विश्वास सारंग ने भी चुप्पी साध ली है। व्यापम के बाद ये भाजपा सरकार का दूसरा सबसे बड़ा घोटाला है। मध्यप्रदेश के हजारों नर्सिंग छात्रों के भविष्य पर घोटाले की तलवार लटकी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मामले में तत्कालीन मंत्री रहे विश्वास सारंग क्यों चुप हैं। इन फर्जी कालेजों को इतनी बड़ी संख्या में मान्यता कैसे मिल गई।

मोदी के ध्यान के खिलाफ तमिलनाडु कांग्रेस हाईकोर्ट पहुंची

विवेकानंद रॉक के ध्यानमंडपम से पीएम की तस्वीरें सामने आईं, 1 जून तक यहीं रहेंगे

कन्याकुमारी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन था। सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। वे भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिखे। उन्होंने सूर्य को अघ्र्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। पीएम एक जून सुबह 10 बजे तक विवेकानंद रॉक मेमोरियल में रहेंगे।

उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को आचार संहिता का उलंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है।

यह वोट पाने की कोशिश है, कार्रवाई हो

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री की विवेकानंद रॉक यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता है, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें फेज के कूलिंग पीरियड के दौरान उनकी यात्रा हिंदू भावनाओं को भडक़ाने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके वोट हासिल करने की कोशिश है। इसलिए इस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

देश के लिए गर्व का क्षण......आरबीआई ने ब्रिटेन से वापस भेजा 100 टन सोना

आने वाले महीनों में फिर आ सकता हैं इतना ही सोना

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व दिवगंत पीएम चंद्रशेखर के जमाने में जहां भारत दूसरे देशों में अपना सोना गिरवी रखने को मजबूर था। वहीं आज पीएम मोदी के इंडिया में विदेश में वर्षों से जमा सोना भारत वापस लौट रहा है। इस कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन (100000किलोग्राम) से थोड़ा अधिक सोना देश में अपने तिजोरी में भेजा है। यह 1991 की शुरुआत के बाद पहली बार है, जब इतने बड़े पैमाने पर सोना आरबीआई की तिजोरी में जमा किया गया है।

आने वाले महीनों में फिर से इतनी ही मात्रा में सोना देश में आ सकता है। यह जानकारी मामले से जुड़े एक सूत्र ने दी है। सूत्र ने कहा, यह अर्थव्यवस्था की मजबूती और आत्मविश्वास को दर्शाता है, जो 1991 की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है।

ताजा डेटा के अनुसार मार्च के अंत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास 822.1 टन सोना था, इसमें से 413.8 टन विदेशों में रखा गया था। सोना खरीदने वाले केंद्रीय बैंकों में आरबीआई भी शामिल रहा , जिसने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 27.5 टन सोना जोड़ा।

दरअसल दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड पारंपरिक रूप से भंडारगृह रहा है। भारत भी इससे अलग नहीं है। आजादी से पहले से लंदन में भारत के सोने के स्टॉक पड़े हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा, आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था और यह तय किया कि वह इस कहां स्टोर करना चाहता है। चूंकि विदेशों में भारत का स्टॉक बढ़ रहा था, इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया।

भारत में सोने के प्रति मोह किसी से छिपा नहीं है। सोने का खोना, गिरवी रखना या बेचना किसी भी परिवार के लिए अच्छा नहीं माना जाता। एक समय ऐसा भी आया था, जब भारत को सोना गिरवी भी रखना पड़ा था। जबकि, आरबीआई ने लगभग 15 साल पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले कुछ सालों में भारतीय केंद्रीय बैंक द्वारा खरीद के माध्यम से स्टॉक में लगातार वृद्धि हुई है।

चीन ने सिक्किम से 150 किलोमीटर दूर जे -20 स्टील्थ फाइटर जेट तैनात किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन ने सिक्किम से करीब 150 किलोमीटर दूर चीन ने अपने मोस्ट एडवांस जे -20 स्टील्थ फाइटर जेट तैनात किए है। नई सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ है।

इन हाई रेजोल्यूशन सैटलाइट तस्वीरों में देखा जा सकता है कि चीन ने 27 मई को जे -20 फाइटर जेट को तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर तैनात किया। चीन का यह एयरबेस सिक्किम के पास है, जहां से कुछ ही दूरी पर पश्चिम बंगाल में भारत ने 16 राफेल फाइटर जेट को तैनात कर रखा है। इनका काम पूर्वी भारत के ऊपर हिमालयी सीमा की रक्षा करना है। ताइवान से तनातनी के बीच चीन ने पहले वहां जे -20 तैनात किए थे। अब भारत की सीमा पर भी ऐसी हिमाकत की है। चीन की इन्हीं हरकतों से निपटने के लिए भारत ने पश्चिम बंगाल में राफेल जेट तैनात कर रखे हैं। दूसरी ओर, तिब्बत सीमा के पास एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी खड़ा कर रखा है।

मौजूदा समय में भारत कुल 36 फाइटर जेट के साथ दो राफेल स्क्वाड्रन को ऑपरेट कर रहा है। ऐसा माना जाता है कि चीन पहले ही करीब 250 जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट का निर्माण कर चुका है। हाल ही में चीन ने पनी पूर्वी सीमा पर जे-20 को तैनात किया था। इसका मकसद मुख्य रूप से प्रशांत तट की रक्षा सुनिश्चित करना था। जबकि शिगात्से में कम से कम 7 जे-20 फाइटर जेट की तैनाती भारत के लिहाज से काफी अहम है।

चीन ने आर्मी और सिविल उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एयरपोर्ट पर इन फाइटर जेट की तैनाती की है। ये एयरपोर्ट तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्से को सर्विस देता है। 12,408 फीट की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण ये एयरपोर्ट दुनिया के सबसे ऊंचे एयरपोर्ट में भी शामिल है। ०-20 की तैनाती अत्यधिक ऊंचाई वाले तिब्बती एयरपोर्ट के कठोर वातावरण में भी ऑपरेट होने की क्षमता को दिखाता है। सैटेलाइट तस्वीरों में एक केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट भी दिखाई दे रहा है।

फाइटर जेट की मौजूदगी से यह भी संकेत मिलता है कि चीन की वायु सेना ने संभावित तौर पर स्थायी तैनाती से पहले इस क्षेत्र में जे-20 के ऑपरेशन को बनाए रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती की होगी। इस बीच भारतीय वायु सेना ने जे-20 तैनाती के महत्व पर कोई बयान देने से इनकार कर दिया है।

निमहांस को नेल्सन मंडेला पुरस्कार मिला

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), बेंगलुरु को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रोत्साहन के लिए 2024 के नेल्सन मंडेला पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2019 में स्थापित स्वास्थ्य सेवाओं के प्रोत्साहन के लिए नेल्सन मंडेला पुरस्कार, उन व्यक्तियों, संस्थानों और या सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों को मान्यता देता है जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रोत्साहन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने निमहांस को यह पुरस्कार मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह समावेशी स्वास्थ्य सेवा में भारत के प्रयासों को मान्यता है।

स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के प्रयासों और अग्रणी कार्य को मान्यता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस उपलब्धि के लिए निमहांस को बधाई दी।

निमहांस की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने कहा, हमें अपनी संस्थागत यात्रा के इस मोड़ पर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठित नेल्सन मंडेला पुरस्कार प्राप्त करने पर बेहद गर्व है। यह पुरस्कार न केवल हमारी पिछली और वर्तमान उपलब्धियों की मान्यता है, बल्कि निमहांस की स्थापना के बाद से ही इसका मार्गदर्शन करने वाली स्थायी विरासत और दृष्टि को भी मान्यता है। यह मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के हमारे मिशन को जारी रखने के हमारे संकल्प को मजबूत बनाता है - जिससे हम जिन लोगों की सेवा करते हैं उनके जीवन में एक ठोस बदलाव ला सकते हैं। यह पुरस्कार मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देने के लिए निमहांस के समर्पण और उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण है। निमहांस मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, अनुसंधान, शिक्षा और रोगी देखभाल के लिए अभिनव दृष्टिकोणों का समर्थन करता रहा है। यह विविध आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले अग्रणी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रारंभ करने और लागू करने में सहायक रहा है। इसके प्रयासों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को सामान्य स्वास्थ्य देखभाल में एकीकृत करने, समुदाय-आधारित रणनीतियों को विकसित करने तथा डिजिटल स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के विश्व स्तर पर मान्यता मिली है।

जन हितैषी

लोकसभा चुनाव 2024 रहा मोदी बनाम जनता

लोकसभा चुनाव 2024 इस मोड़ पर पहुंच जाएगा, इसका अंदाजा किसी को भी नहीं था। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं जानते थे कि उन्हें जनता की इस तरह की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। चुनाव प्रचार के दृष्यों को देखें और विश्लेषण करें तो पाएंगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूंजीवाद बनाम समाजवाद के नाम पर लड़ा गया है। भारत की 60 फ़ीसदी से अधिक जनता 5 किलो राशन पर गुजारा करने के लिए मजबूर है। बावजूद इसके सरकार उनका मखौल उड़ा रही है। भाजपा के नेता कहते हैं महंगाई-वहंगाई कुछ नहीं है। महंगाई भी विकास का पैमाना है। जैसे विकास हो रहा है वैसे ही महंगाई भी बढ़ेगी। लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हकीकत में देखें तो पिछले 10 वर्षों में आमदनी तो बढ़ी नहीं, महंगाई और बेरोजगारी जरूर बढ़ गई। किसानों ने, छात्रों ने एवं अन्य लोगों ने जब इसके लिए आंदोलन किये तो उनकी सरकार ने नहीं सुनी। उल्टा उनसे यह कह दिया गया कि अमीर यदि अमीर हो रहे हैं तो सरकार क्या उन्हें गरीब बना दे। सरकार ने यह कहकर गरीब जो और भी गरीब हो रहे थे उनके घाव में नमक छिड़का। धर्म के नाम पर भारतीय जनता पार्टी और पूंजीपतियों ने उन्हें एक महामानव के रूप में पेश किया था। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पहले तो सर्वशक्तिमान की बनाई गई। लगातार 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री अब स्वयंभू ईश्वर बनने जैसा बर्ताव करते देखे गए हैं। इसका अहसास उन्हें भी संभवतः हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी यह भूल गई कि भूखे पेट भजन ना होय गोपाला। पिछले 10 वर्षों से धर्म के नाम पर जिस धर्म का वादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से किया था वो वादे इन सालों में तो पूरे नहीं हुए, तब यही जनता जिसने उन्हें सिंहासन पर बैठाया था वहीं सड़कों पर उनके खिलाफ खड़ी हो रही है। इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में सारे राज्यों में विपक्षी दलों की रैली और चुनावी सभा में जिस तरह की भीड़ उमड़ी है उससे एहसास हो रहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी बनाम जनता के बीच आकर टिक गया है।

स्वदेशी जागरण मंच के नाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठन और भाजपा के नेता वैश्विक व्यापार संधि का विरोध कर रहे थे। विदेशी निवेश के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के गोविंदाचार्य भारत में घूम-घूम कर स्वदेशी का प्रचार कर रहे थे। सुषमा स्वराज और उमा भारती जैसी तेज तर्रार महिला नेत्री सारे देश में विदेशी निवेश का विरोध कर रही थीं। उमा भारती ने तो रिटेल व्यवसाय में यदि विदेशी निवेश की अनुमति दी गई तो वह अपने बाल कटा लेंगी और आत्मदाह कर लेंगी, इस तरह के बयान देकर आंदोलन किया था। 2004 से 2014 के 10 साल में कांग्रेस की मनमोहन सरकार विदेशी निवेशकों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पाई थी, जिस कारण अमेरिका के पूंजीपतियों ने मनमोहन सिंह को हटाने के लिए कुचक्र रचा। ऐसे-ऐसे काल्पनिक आरोप लगाए गए जो 10 साल में मोदी सरकार भी प्रमाणित नहीं कर पाई। अदालत में भी आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों ने अपना प्रतिनिधि बनाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने सबसे पहला निर्णय सभी सेक्टर में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश की अनुमति देने का किया। रक्षा और मीडिया क्षेत्र को भी इससे बाहर नहीं रखा गया। मुकेश अंबानी ने मीडिया में निवेश करके पहले मीडिया पर कब्जा किया। शुरू के 5 साल में सरकार और पूंजीपतियों ने मीडिया को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया। पिछले 10 सालों में यदि किसी का भला हुआ है तो वो मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह का हुआ है। देश की 500 बड़ी कंपनियों के पास 92 फ़ीसदी पूंजी है। अमीर और अमीर होते चले गए, गरीबों को महंगाई और बेरोजगारी के कारण दो वक्त की रोटी मिलना भी मुश्किल हो गई। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार 10 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध मुनाफा भी 1 लाख करोड़ से ऊपर का है। जिस तरह से अनंत अंबानी की प्री वेडिंग सेरिमनी और शादी हजारों करोड़ों रुपए खर्च करके देश और विदेश के कई हिस्सों में आयोजन किये जा रहे हैं उससे सारी दुनिया आश्चर्यचकित है। इसी तरह अदानी समूह का 2014 में कारोबार 1.50 लाख करोड़ का था जो 22 जनवरी को 20 लाख करोड रुपए तक पहुंच गया था। इससे आसानी के साथ समझा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार पूंजी पतियों की सरकार है। इस कारण 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता अपनी लड़ाई खुद लड़ने सामने आई है। सर्वशक्तिमान मानव से स्वयंभू ईश्वर बनने के इस सफर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास सभी संवैधानिक संस्थाएं एक तरह से उनके बंधन में हैं, जिस तरह राम और रावण का जब युद्ध होने वाला था उसी समय रावण के पास सभी नवग्रह कैद थे। रावण को विश्वास था वह अजेय है। कुछ इसी तरह का विश्वास 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रहा है। चुनाव आयोग पूरी तरह से उनके नियंत्रण में है। न्यायपालिका, सीबीआई, ईडी, आयकर, सेना, पुलिस और धर्म के नाम पर जो अंधभक्त पिछले 10 वर्षों में तैयार हुए हैं इतनी मजबूत स्थिति होने के बाद स्वाभाविक है कि उन्हें भी लगता है कि वह अजेय हैं। 2024 में जो 400 पार का नारा था, उसके पीछे भी यही आत्मविश्वास था। सरकार ने चुनाव के पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून भी बना लिया था। जो चुनाव आयुक्त बनाए गए हैं वह सरकार के प्रति जवाबदेह हैं। आदर्श आचार संहिता को पालन कराने के मामले में यह स्पष्ट रूप से सामने भी आ गया है। 4 जून को जो मतगणना होगी, उसके परिणामों से भी यह स्पष्ट हो जाएगा।

भीषण गर्मी का कारण है ओजोन परत क्षय

ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं !ओजोन लेयर ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है !वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मण्डल, समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उर्ध्वाकार विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20..30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है जिसका प्रतिषत मात्र 0ण्02: है। यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के षरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुश्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के निकट रहने से वह जीव जंतु आदमी सभी के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुश्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण! पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है. जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है. वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं.ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है. इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं. हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है.रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है और भीषण गर्मी का कारण भी ओजोन लेयर में छेद होना है जी 20 शिखर सम्मलेन में इसपर चर्चा तो हुई लेकिन उसके उपाय नहीं ढूंढे गए गर्मी से भारत में नार्थ ही नहीं सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है जब हिमाचल जैसी ठंडी जगहों में तापमान 40डिग्री के पार चला गया तो चिंता का विषय है आखिर कहाँ जाएं गर्मी में दिल्ली का तापमान तो 52डिग्री के पार चला गया बिहार के औरंगाबाद में हीट वेब से 17लोगों की मौत हो गई वहींबुधवार को भीषण गर्मी के कारण अलग-अलग स्कूलों में शिक्षक और बच्चे समेत 337 लोग बीमार पड़ गए थे। गुरुवार को 14 लोगों की मौत हो गई थी।रोहतास और बेगुसराय जिलों में संदिग्ध लू से आठ लोगों की मौत की खबर है। फिलहाल मौत के आकड़ो पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। कुछ राज्य जैसे दिल्ली और बिहार में भीषण गर्मी के बीच दिल्ली व बिहार सरकार फिलहाल सभी निजी और सरकारी स्कूलों, कोचिंग संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों को आठ जून तक बंद करने का आदेश दिया।

शरीर में पानी की आवश्यक मात्रा 70ज्ञहोती है और गर्म होने से शरीर का पानी तवचा के छेद से पानी सुखता है और पानी की कमी से शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जिससे मौत हो जाती है कुछ दिन पहले मुंबई में इतनी अधिक गर्मी पड़ी की रात भर नींद नहीं आया और टेबल फ़ैन लेना पड़ा तब जाकर कुछ आराम मिला। (लेखक-संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

लोकसभा के सातवें चरण के चुनाव होने शेष रहे हैं, सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी है। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर क्या करवट लेगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा?

छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा-किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरुआत तो करता है, लेकिन यह शुरुआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी?

भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसों एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसें एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां।

भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है।

हाल के बरसों में जानकारों और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता है जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते है कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रूक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्मार्टनेस की इस दुहाई के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और वह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए?

बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून है, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को 'नजर' नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगवाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन नगर निकाय एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। कोई नहीं जानता कि क्यों? दिल्ली के ग्यारह सौ से अधिक अस्पतालों में मात्र 190 के पास एनओसी है, यह प्रशासन तले अंधेरा नहीं तो क्या है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं एक बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं भ्रष्टता से रह-रहकर हादसे होते रहें और उनमें बड़ी संख्या में लोग मरते रहें। दुर्भाग्य से अपने देश में यही हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घट जाती है और उसमें अधिक संख्या में लोग मारे जाते हैं तो शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है और तत्काल कार्रवाई करने के नाम पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हीं कारणों से वैसी ही घटना फिर सामने आती है, जैसी पहले हो चुकी होती है, इसका मतलब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहा है और व्यवसायी प्रशासन की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाते हुए मौत के सौदागर बने रहते हैं। यही कारण है कि न तो हादसे कम हो रहे हैं और न ही उनमें जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आ रही है। हादसे दुनिया में हर कहीं होते हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देश कम से कम उनसे सबक लेते हैं और ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे न हों।

लोकतंत्र एक पवित्र प्रणाली है। पवित्रता ही इसकी ताकत है। इसे पवित्रता से चलाना पड़ता है। अपवित्रता से यह कमजोर हो जाती है। ठीक इसी प्रकार अपराध के पैर कमजोर होते हैं। पर अच्छे आदमी की चुप्पी उसके पैर बन जाती है। अपराध, भ्रष्टाचार अंधेरे में दौड़ते हैं। रोशनी में लड़खड़ाकर गिर जाते हैं। हमें रोशनी बनना होगा और रोशनी भ्रष्टता एवं घोटालों से प्राप्त नहीं होती। भारत में कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है, और यही कारण है कि विकसित देश बनने के संकल्प को साकार करना कहीं अधिक कठिन दिख रहा है। अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, राजनेताओं के बड़े-बड़े संकल्प भी है, लेकिन उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही किसी विकासशील और विकसित राष्ट्र का स्वप्न देखने वाले देश में हो। भारत में लोग किस कदर कदम-कदम पर नियम-कानूनों का धडल्ले के साथ उल्लंघन करते हैं और सरकारी तंत्र में बैठे लोग उनकी मदद करने या फिर उनके अपराध को ढकने के लिए तैयार रहते हैं, इसका शर्मनाक एवं दर्दनाक उदाहरण पुणे का कार हादसा भी है। आज यह स्वीकारते कठिनाई हो रही है कि देश की कानून एवं व्यवस्था को सम्भालने वाले सभी हाथ दागदार हो गए हैं। इस मन:स्थिति के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं। दिन-प्रतिदिन जो सुनने और देखने में आ रहा है, वह पूर्ण असत्य भी नहीं है। पर हां, यह किसी ने भी नहीं सोचा कि जो हाथ प्रशासन, कानून एवं सुरक्षा की बागडोर सम्भाले हुए थे, क्या वे सब बागडोर छोड़कर अपनी जेब सम्भाल लेंगे? (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

आग बरसती गर्मी और मेहनतकश कामगार

लगभग पूरे विश्व में इस बार भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा इस बात की जानकारी पहले ही दी जा चुकी थी। आज जब सूर्य आग उगल रहा है और धरती पर आग बरस रही है तो मौसम वैज्ञानिकों की इस भविष्यवाणी को सही साबित होते हुये देखा भी जा रहा है। ख़ासकर भारत सहित कई दक्षिण एशियाई देश इस समय भयंकर गर्मी व तपिश की मार झेल रहे हैं। न केवल सुबह होते ही आग बरसनी शुरू हो जाती है बल्कि गर्मियों की रात में जो मौसम थोड़ा बहुत ख़ुशगवार हुआ करता था वह रातें भी अब पूरी तरह से गर्म होने लगी हैं। परिणाम स्वरूप बाज़ारों व सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। आम लोग सिर्फ़ किसी बेहद ज़रूरी कामों से ही बाहर निकलते हैं अन्यथा बाज़ार की ख़रीद फ़रोख़्त के लिये शाम को ही घरों से निकल रहे हैं।

परन्तु अपनी डयूटी निभाने वाले और मेहनतकश रिक्शा रेहड़ी वालों की क़िस्मत में आराम कहाँ ? रेलवे के मेहनतकश कर्मचारी,ख़लासी,गैंगमैन इसी प्रचंड गर्मी में तपते हुये रेल ट्रैक पर कहीं रेल की पटरी बदल कर रहे हैं तो कहीं भारी भारी स्लीपर इधर से उधर ले जा कर हमारी सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित कर रहे हैं। पुलिस के जवान मोटी वर्दियां टोपियां पहन कर सड़कों पर डयूटी दे रहे हैं। ट्रैफ़िक के जवान तपते सूरज की परवाह किये बिना चौक चौराहों पर खड़े होकर हमसबको सुरक्षित यातायात देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भारत में अब तक सौ से अधिक लोगों के इस गर्मी की चपेट में आकर मरने की ख़बर है। ज़रा सोचिये इसी गर्मी में होने वाले भीषण अग्निकांड में जो फ़ायर फ़ाइटर्स आग बुझाते हैं वे कितनी गर्मी का सामना करते होंगे ? भारत के जिन शहरों में 40 डिग्री तापमान में हाहाकार मच जाता था उन्हीं इलाक़ों में पारा 50 तक पहुँच गया है और कहीं कहीं तो 50 डिग्री से भी ऊपर चले जाने का समाचार है। जैसलमेर में बंगाल के जलपाईगुड़ी का रहने वाला 173 बटालियन का अजय कुमार नामक एक बी एस एफ़ का जवान अपनी डयूटी पर गर्मी के ताप को सहन न कर पाने के कारण अपनी जान गँवा बैठा। उत्तर भारत के कई इलाक़े गर्म हवा और लू की चपेट में हैं। इसी मौसम में कहीं कोई बुज़ुर्ग रिक्शा चलाते दिखाई देगा तो कोई भरी वज़न सिर पर उठाये। निर्माण क्षेत्र में तो करोड़ों लोग मिस्त्री व मज़दूर तपती धूप में खड़े होकर काम करते दिखाई देंगे।

दूसरी तरफ़ ईश्वर की कृपा प्राप्त सुविधाभोगी व आराम परस्त वर्ग प्रकृति के इस प्रकोप से बचने के लिये तरह तरह की सुविधाओं का उपभोग कर गर्मी सी निजात पाने की कोशिश करता है। संपन्न वर्ग घरों में ए सी से लेकर कारों व कार्यालयों में भी ए सी का इस्तेमाल करता है। इसका परिणाम यह होता है कि जहाँ कारों से निकलने वाला ज़हरीला धुआं गर्मी के साथ साथ वातावरण के प्रदूषण को बढ़ता है वहीँ ए सी से निकलने वाली गर्मी भी पूरे वातावरण को और भी गर्म करती है। अत्यधिक बिजली खपत के चलते इन दिनों बिजली की कटौती भी ख़ूब होती है। बेशक यह सुविधासंपन्न लोगों का अधिकार भी है कि वे अपनी ज़रुरत के अनुसार सुविधाओं का इस्तेमाल भी करें। परन्तु इस तपती घूप व आग उगलती गर्मी में हम सब की सुविधाओं के लिये अपनी डयूटी निभाने वालों को नज़रअंदाज़ करना भी क़तई इंसानियत नहीं।

ऐसे में यदि हम देखें कि कोई भारी वज़न लादे हुये मेहनतकश अपनी रेहड़ी ठेला खींच रहा है तो जल्दी रास्ता देने के लिये बार बार हॉर्न बजाकर उसे परेशान करने या उसपर ग़ुस्सा दिखाने के बजाये कार से उतरकर उसकी रेहड़ी ठेले को धक्का देकर उसकी मदद करने की कोशिश करें । इससे उसे सहायता भी मिलेगी साथ ही आपको यह एहसास भी होगा कि इतनी गर्मी में भारी वज़न खींचने वाले हम जैसे दूसरे इंसान पर क्या गुज़र रही होगी । कोई रेल कर्मी ,पुलिस कर्मी या ट्रैफ़िक वाला अथवा फ़ौजी धूप में डयूटी करता दिखाई दे तो उसे ठंडा पानी देने का प्रयास करें, किसी को छाता देकर उसे धूप से बचाने की कोशिश करें। संभव हो तो इस गर्मी में हाथ से हिलाने वाले पंखों का वितरण करें। ककड़ी,खीरा,तरबूज़ व ख़रबूज़ा जैसे गर्मियों में राहत देने वाले फल ज़रूरतमंदों को वितरित करें। ठन्डे पानी की छबीलें लगायें। अपने घरों दुकानों के आसपास सड़क पर जल छिड़काव करें। सरकार को भी सड़कों पर पानी का छिड़काव करने के लिये सक्रिय भूमिका निभानी चाहिये। ग़रीबों व आम लोगों के दान दक्षिणा से चलने वाले धर्मस्थलों को भी इस भयंकर गर्मी में अपनी दान पेटी का मुंह ऐसे रहत कार्यों के लिये खोलना चाहिये। अनावश्यक आग जलाने व धुआं फैलाने से भी परहेज़ करें। पेड़ काटने के बजाये वृक्ष लगाने के अभियान चलायें।

याद रखिये आज जिस भीषण गर्मी का सामना हमसबको करना पड़ रहा है उसकी ज़िम्मेदार प्रकृति नहीं बल्कि हम स्वयं हैं। विकास के नाम पर फैलते कंक्रीट के जंगल, औद्योगीकरण के नाम पर समाप्त होती हरियाली,बढ़ता शहरीकरण,सम्पन्नता के नाम पर बढ़ते वाहन व ए सी,जंगलों की होती अंधाधुंध कटाई आदि मानव जनित है। और यही ग्लोबल वार्मिंग का भी कारण है ,इसी के चलते ग्लेशियर भी पिघलने लगे हैं। गोया आने वाले वर्ष और भी भयंकर गर्मी व तपिश लाने वाले हैं। हम भारतीय लोग जो 40 डिग्री तापमान सहन नहीं कर पाते थे अब 50 डिग्री यानी अरब देशों में पड़ने वाली सामान्य गर्मी झेलने के लिये मजबूर हैं। धनाढय लोग जो गर्मी के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में चले जाया करते थे उनकी बढ़ती संख्या ने वहां के मौसम को भी बदल दिया है। मिसाल के तौर पर शिमला व नैनीताल जैसे पर्वतीय पर्यटन स्थलों पर भी अब ख़ूब गर्मी पड़ने लगी है। कारों की क़तारें ,ट्रैफ़िक जाम,असंख्य होटल,पार्किंग समस्या लगभग सभी पर्वतीय पर्यटन क्षेत्रों की नियति बनकर रह गयी है। ऐसे में प्रत्येक साधन संपन्न व धनाढय लोगों का कर्तव्य है कि वे इस आग बरसती भीषण गर्मी में जहाँ स्वयं वातावरण को और अधिक प्रदूषित करने से परहेज़ करने का प्रयास करें वहीँ मेहनतकश व कामगार लोगों पर तरस खायें और उन्हें यथा संभव सहयोग करें। यक़ीन जानिये आपकी थोड़ी सी सहायता व सहयोग से किसी कामगार,मज़दूर व जवान के दिल से निकली दुआ आपको न केवल पुण्य का भागीदार बनायेगी बल्कि आपकी आत्मा को भी तृप्त करेगी। (लेखिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

आज का इतिहास 1 जून

1868 अमेरिका के 15 वें राष्ट्रपति जेम्स बुकानन का निधन हुआ.

1874 ईस्ट इंडिया कंपनी भंग कर दी गई.

1930 मुम्बई वी.टी.और पूणे के बीच पहली डीलक्स ट्रेन चली.

1932 फ्रेंज वान पेपेन जर्मनी के चांसलर बने.

1964 आना के बदले नया पैसा का चलन आरम्भ .

1970 एकाधिकार और प्रतिबंधित व्यापार अधिनियम प्रभावी हुआ.

1973 यूनान में सैनिक शासकों ने राजशाही समाप्त कर दी.

1989 प्रसिद्ध उद्घोषक व कमेंटेंटर मेलविल डी.मेलो का निधन.

1996 भूतपूर्व राष्ट्रपति संजीव रेड्डी का निधन.

1996 एच.डी.देवेगोड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली.

2001 बी.एम.डब्ल्यू. कांड के मुख्य अभियुक्त संजीव नंदा को 45 करोड़ रुपये की जमानत पर विदेश जाने की छूट.

2002 पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग में कार्यरत कर्मचारी कुलवंत सिंह को आई. एस. आई. ने अगवा कर मारपीट की.

2002 दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी हैंसी क्रोंनिये का वायुयान दुर्घटना में निधन.

2003 फ्रांस के एवियान शहर में जी-8 सम्मेलन शुरु.

शब्द पहेली - 8024

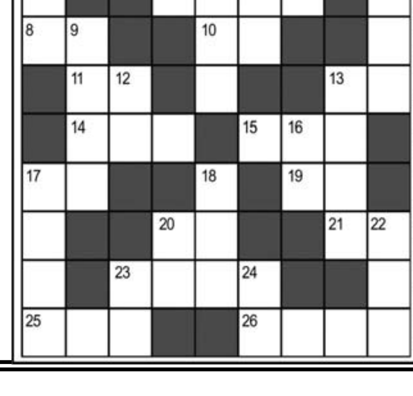

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8023 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टी20 वर्ल्ड कप के बाद बिजी है टीम इंडिया, 6 अलग अलग टीमों के साथ 32 मैच खेलेगी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय अमेरिका में है जहां उसे विश्व कप के लीग मुकाबले न्यूयॉर्क में खेलने हैं। इसके बाद टीम इंडिया विंडीज का दौरा करेगी। टी20 विश्व कप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहा है। विश्व कप के बाद भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक 6 अलग अलग टीमों के साथ 32 मैच खेलेगी। इस दौरान भारतीय टीम कुछ सीरीज अपने घर में खेलेगी जबकि कुछ घर के बाहर।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 खत्म होने के बाद भारतीय टीम जुलाई में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला टी20 मैच 6 जुलाई को खेला जाएगा जबकि पांचवां और आखिरी मैच 14 जुलाई को आयोजित होगा। इसके बाद टीम इंडिया श्रीलंका दौरे पर जाएगी जहां वह मेजबान टीम के साथ 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। जिम्बाब्वे और श्रीलंका दौरे पर सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। इस दौरान युवा खिलाड़ियों को आजमाया जा सकता है।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 22 नवंबर से शुरू होगा। बॉर्डर गावस्कर सीरीज का पांचवां और और आखिरी टेस्ट मैच 3 जनवरी से खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए अपने घर में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इंग्लैंड से सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में होना है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरान नहीं करना चाहता। इसका आयोजन फरवरी- मार्च में हो सकता है। इसके बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी आईपीएल के 18वें सीजन में बिजी हो जाएंगे।

श्रीलंका दौरे से लौटने के बाद भारतीय टीम बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी। बांग्लादेश के खिलाफ भारत 3 टी20 और 2 टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद टीम इंडिया अपने घर में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी। दोनों टीमें 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में टकराएंगी। भारतीय टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में भिड़ेगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 4 मैचों की टेस्ट सीरीज होती थी लेकिन इस बाद दोनों टीमों इस सीरीज के तहत 5 टेस्ट मैच खेलेगी।

क्लार्क ने क्यों कहा टीम इंडिया ने बहुत बड़ा जोखिम उठाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि टीम इंडिया ने आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए अपनी स्पिन-आधारित टीम को चुनकर बहुत बड़ा जोखिम उठाया है। क्लार्क ने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने जो टीम चुनी है, उसमें उन्होंने बहुत जोखिम लिया है, टीम में स्पिन पर बहुत ज्यादा निर्भर, ऑस्ट्रेलिया से बहुत अलग। लेकिन मैंने कैरिबियन में जिन परिस्थितियों में खेला है, मुझे लगता है कि आप वहां स्पिन को कैसे खेलते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप सफल होते हैं या नहीं। मेरे लिए भारत सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि विश्व कप कौन जीतेगा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, अगर आप विश्व कप के लिए पसंदीदा टीमों पर नजर डालें, तब वह भारत ही होगा क्योंकि उन्होंने बहुत ज्यादा क्रिकेट खेला है, उनकी तैयारी शानदार रही है। भारत की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बहुत सी समानताएं हैं इसलिए खिलाड़ियों को इसकी आदत होगी।

टूर्नामेंट से पहले भारत ने न्यूजीलैंड, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के साथ कुल आठ द्विपक्षीय सीरीज खेली, जिसमें से सात में जीत हासिल की है। वे केवल वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-2 से सीरीज हारे। उन्होंने पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में क्रिकेट टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक भी जीता।

भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांडया (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज

15 रन और.....बाबर तोड़ देंगे कोहली का ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट में अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। बाबर ने यह कारनामा इंग्लैंड में मेजबान टीम के खिलाफ सीरीज के चौथे और आखिरी टी20 मैच में किया। उन्होंने मैच में 22 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली, इसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था। बाबर के इस छोटे धमाके ने टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेले गए मैच में बाबर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 4,000 रन भी पूरे कर लिए।

बाबर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली 4037 रन के साथ पहले नंबर पर हैं। जबकि बाबर 4023 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बाबर ने इंग्लैंड के खिलाफ अभी तक कुल 18 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 660 रन बनाए हैं। वहीं कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवरऑल 20 टी20 में 639 रन बनाए हैं। सूची में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच 619 रन के साथ तीसरे और पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान 560 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में बाबर, रोहित शर्मा और कोहली में चूहे बिल्ली वाला खेल देखने को मिलेगा। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में विराट पहले, जबकि बाबर दूसरे और रोहित तीसरे नंबर पर हैं। रोहित विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे कर सकते हैं। वहीं बाबर की नजर विराट को पीछे छोड़ने पर होगी। बाबर 15 रन बनाते ही कोहली को पीछे छोड़ सकते है। रोहित के नाम 3974 रन दर्ज है।

बाबर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने हैं। बाबर के बाद रिजवान का नंबर आता है, जिन्होंने 98 मैचों में 3203 रन बनाए हैं। वहीं 119 मैचों में 2514 रन के साथ मोहम्मद हफीज तीसरे नंबर पर हैं। शोएब मलिक के नाम 124 मैचों में 2435 रन हैं।

प्रज्ञानंदा नें कार्लसन को हराया ,पहली बार क्लासिकल में कार्लसन से जीते

ओस्लो (ईएमएस)। दुनिया के सबसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंट में से एक नॉर्वे शतरंज के तीसरे राउंड में भारतीय ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानंदा ने पाँच बार के विश्व चैम्पियन और एक दशक से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मेजबान नॉर्वे के मैगनस कार्लसन को पराजित किया और साथ ही नॉर्वे शतरंज में एकल बढ़त हासिल कर ली है ।

प्रज्ञानन्दा फिलहाल जीत से 3 अंक हासिल करते हुए 5.5 अंक बनाकर सबसे शीर्ष पर है। वहीं दिन का दूसरा बड़ा परिणाम हासिल किया यूएसए के विश्व नंबर दो खिलाड़ी फबियानों करूआना नें जिन्होंने वर्तमान विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन को पराजित कर 5 अंक बनर्क दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। तीसरे मुकाबले में यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को क्लासिकल मुक़ाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में मात देते हुए 4 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। फिलहाल टूर्नामेंट में सात राउंड और खेले जाने बाकी है।

वहीं महिला वर्ग में भारत की आर वैशाली नें पहले हमवतन कोनेरु हम्पी को पराजित कर 3 अंक हासिल किए और फिर अगले राउंड में उक्रेन की एना मुजयचूक से क्लासिकल ड्रॉ करने के बाद टाईब्रेक जीतकर अपने भाई की ही तरह 5.5 अंक बनाकर टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर आ गई है।

न्यूजीलैंड की विकेटकीपर बेजुइडनहाउट ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

वेलिंग्टन,(ईएमएस)। न्यूजीलैंड की महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज बर्नाडाइन बेजुइडनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। बेजुइडनहाउट ने कहा कि यह बहुत शानदार सफर रहा है। उन्होंने कहा कि व्हाइट फर्न्स के लिए खेलना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही और मुझे अच्छी यादें मिली हैं। इस यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं उन सभी का हमेशा आभारी रहूंगी जो मेरे साथ इस राह पर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं इस फैसले से संतुष्ट हूं, लेकिन यह निर्णय लेना आसान नहीं था। मैं पिछले कुछ समय से काम और करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष कर रही हूं और बहुत सोच-विचार के बाद सोचा यह सही समय है कि मैं अपना पूरा ध्यान द एपिक स्पोट्र्स प्रोजेक्ट पर लगाऊं।

टी-20 विश्वकप 2024 : एक नजर में भारत के मुकाबले

क्रिकेट इतिहास में पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगी 20 टीमें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टी-20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार एक सीजन में 20 टीम भाग ले रही है जो एक इतिहास होगा। इंग्लैंड की कप्तानी जोस बटलर करेंगे,जबकि 50 ओवर के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की कमान मिचेल मार्श संभालेंगे। दक्षिण एशिया की दो ताकतवर टीम भारत और पाकिस्तान अपने अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा और बाबर आजम की कप्तानी में खेलेंगी।

इस टी-20 विश्व कप में पहले राउंड के लिए 20 टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा है। सुपर-आठ में क्वालीफाई करने से पहले हर टीम चार-चार मैच खेलेगी। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में पहुंचेगी जबकि निचली टीमें बाहर हो जाएंगी। इन आठ टीम को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीम सेमीफाइनल खेलेंगी। फाइनल मैच 29 जून को बारबाडोस में खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। आईपीएल के दौरान गर्मी में अपने 90फीसदी मैच फ्लड लाइट में खेलने के बाद खिलाड़ियों को अब सुबह अमेरिका में चलने वाली तेज हवाओं के साथ तालमेल बैठाना होगा, जहां तापमान बहुत कम आर्द्रता के साथ 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्की हवा में सफेद कूकाबूरा गेंद चुनौती पैदा कर सकती है और इसकी तैयारी के लिए जेट-लैग वाले खिलाड़ियों को सुबह के माहौल में खेलने की जरूरत है।

भारत, पाकिस्तान, मेजबान संयुक्त राज्य अमेरिका, आयरलैंड और कनाडा 2 जून से शुरू होने वाले पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप ए में शामिल हैं। टीमें एकल-राउंड रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ग्रुप ए के सभी मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाएंगे, जबकि वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में 2 जून को डलास, टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में कनाडा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका का मुकाबला होगा।

भारत का ग्रुप स्टेज शेडयूल

5 जूनः भारत-आयरलैंड, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)

9 जूनः भारत-पाकिस्तान, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)

12 जूनः यूएसए-भारत, न्यूयॉर्क - 08:00 पीएम आईएसटी (09:30 एएम स्थानीय)

15 जूनः भारत-कनाडा, फ्लोरिडा - 08:00 पीएम आईएसटी (10:30 एएम स्थानीय)

टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्युकमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

पांच दिन की गिरावट पर ब्रेक हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लगा और बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार निवेशक अगले सप्ताह जारी होने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले सावधानी बरत रहे हैं।

तीस शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मजबूती के साथ 74,208 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह ऊपर में 74,478.89 और नीचे में 73,765.15 तक पहुंच गया था। अंत में सेंसेक्स 75.71 अंक चढ़कर 73,961.31 पर बंद हुआ। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 42.05 अंक की बढ़त के साथ 22,530.70 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर शुक्रवार को सबसे ज्यादा 1.8 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एलएंडटी, आईटीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

वहीं नेस्ले इंडिया, टीसीएस, मारुति, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, टाइटन का शेयर गिरावट में दिखाई दी।

इसकारण शुक्रवार को चढ़ा बाजार

1. हाल ही में घाटे के बाद बैंकिंग और तेल शेयरों में खरीदारी के चलते शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार चढ़कर बंद हुआ।

2. निवेशकों की चुनाव से पहले कारोबार की रणनीति समाप्त हो गई है और आगे की कार्रवाई के लिए सभी की निगाहें एग्जिट पोल पर है।

बाजार जानकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर डर और दुनिया भर में प्रतिकूल माहौल के कारण घरेलू बाजार में पांच दिन की गिरावट आई है। उन्होंने कहा, निवेशक बाजार को लेकर आशावादी है। उनका मानना था कि एनडीए फिर से सत्ता हासिल करेगी। 4 जून को चुनाव नतीजों के दिन सेंसेक्स और निफ्टी के बेंचमार्क में काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिसमें ऊंचाई और गिरावट दोनों की आशंका है।

नगदी नोटों का चलन दोगुना बढा, छोटे नोटों का प्रचलन बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। वित्त वर्ष 2023-24 में नगदी नोटों का चलन पिछले साल के मुकाबले 2 गुना बढ़ गया है। 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष में नगदी का प्रचलन 7.8 फ़ीसदी बढा है। वर्ष 2022-23 में नगदी नोटों में 4.4 फ़ीसदी की वृद्धि हुई थी। पिछले साल की तुलना में इस साल छोटे नोटों की मांग ज्यादा रही है।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार नगदी के प्रचलन में कुल मुद्रा में मूल्य के लिहाज से ?500 के नोटों की हिस्सेदारी 86.5 फ़ीसदी हो गई है।

सोना और चांदी के भावों में गिरावट - सोने के वायदा भाव 72 हजार, चांदी लगभग 93 हजार रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। चांदी वायदा के भाव बुधवार को सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। इसके बाद लगातार गिर रहे हैं। इस समय सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 128 रुपये की गिरावट के साथ 72,088 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 273 रुपये की गिरावट के साथ 93,850 रुपये पर खुला। बुधवार को चांदी के वायदा भाव ने 96, 493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै?श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,364.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,366.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,360.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.34 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.53 डॉलर था। इस समय यह 0.47 डॉलर की गिरावट के साथ 31.06 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई देश के बाहर रुपया खाता खोलने की देगा अनुमति

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (ईएमएस) ने कहा कि वह देश के बाहर रुपया खाता खोलने की अनुमति प्रदान करेगा। यह कदम घरेलू मुद्रा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्रा बनाने की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि उभरते वृहद आर्थिक परिवेश के साथ फेमा परिचालन ढांचे के जुड़ाव पर जोर होगा। इसके साथ विभिन्न दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई घरेलू मुद्रा को वैश्विक स्तर पर मुख्य मुद्राओं में शामिल करने के लिए 2024-25 एजेंडा के हिस्से के रूप में भारत के बाहर रह रहे निवासी व्यक्तियों (पीआरओआई) को देश के बाहर रुपया खाता खोलने की अनुमति देगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विशेष खातों और विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) के जरिये भारतीय बैंकों के पीआरओआई को रुपये में उधार देना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और पोर्टफोलियो निवेश को सक्षम बनाना मकसद है। उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) को तर्कसंगत बनाना और फेमा के तहत आईएफएससी (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र) नियमों की समीक्षा भी चालू वित्त वर्ष के एजेंडा का हिस्सा है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार के निपटान को सक्षम करने के लिए भारतीय रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में नियमों को तर्कसंगत बनाया गया है।

पिछले वित्त वर्ष निवेशकों ने 27 हजार करोड़ के स्वर्ण बांड खरीदेः आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। निवेशकों ने पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रुपए के बांड खरीदे जो 2022-23 में खरीदे गए स्वर्ण बांड का चार गुना हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी स्वर्ण बांड (एसजीबी) के जरिये 44.34 टन सोने की खरीद 6,551 करोड़ रुपए में की गई। बांड जारी करने वाले रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान एसजीबी से जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रुपए है। पिछले वित्त वर्ष में एसजीबी को चार चरणों में जारी किया गया था। नवंबर, 2015 में एसजीबी योजना की शुरुआत के बाद से 67 चरणों में कुल 72,274 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। पिछले एक साल में 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 62,300 रुपए से बढ़कर 73,200 रुपए हो गई है। एसजीबी सोने के ग्राम में अंकित होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां हैं। ये भौतिक सोने का विकल्प हैं।

ये बांड पूंजीगत लाभ कर से भी मुक्त हैं। इसके अलावा बांड पर शुरुआती निवेश की राशि पर सालाना 2.50 प्रतिशत की दर से ब्याज भी मिलता है। एसजीबी एक ग्राम सोने के मूल्य-वर्ग तथा उसके गुणकों में जारी किए जाते हैं। न्यूनतम निवेश एक ग्राम होना चाहिए जबकि व्यक्तियों के लिए अधिकतम चार किलोग्राम निवेश की सीमा है।

सरकारी स्वर्ण बांड राष्ट्रीयकृत बैंकों, अधिसूचित निजी बैंकों, विदेशी बैंकों, नामित डाकघरों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और अधिकृत शेयर बाजारों के कार्यालयों या शाखाओं के जरिये सीधे या उनके एजेंटों के जरिये बेचे जाते हैं।

मार्च तक 500 के नोट की हिस्सेदारी बढ़कर 86.5 फीसदी हुईः आरबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में चलन में मौजूद करेंसी नोटों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी 500 रुपये के नोट की है। आरबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि 500 रुपये मूल्य के नोट की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी हो गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 फीसदी थी। यानी ?कि देश में 500 रुपये के नोटों का उपयोग सबसे ज्यादा हो रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक 500 के नोट की हिस्सेदारी में वृद्धि 2000 रुपये के नोट की संख्या में कमी के कारण आई है, जिनकी वित्त वर्ष 2023 में हिस्सेदारी महज 0.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 के दौरान 500 रुपये के नोट की संख्या मूल्य के हिसाब से बढ़ी है, जबकि 2,000 रुपये के नोट में तेज गिरावट आई है, जिसकी वजह इसे प्रचलन से बाहर किया जाना है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च, 2024 तक मात्रा के हिसाब से 500 रुपये के सबसे ज्यादा 5.16 लाख नोट मौजूद थे। वहीं 10 रुपये के 2.49 लाख नोट चलन में थे। वित्त वर्ष 2023-24 में चलन में मौजूद बैंक नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 फीसदी और 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह बढ़ोतरी क्रमशः 7.8 फीसदी और 4.4 फीसदी रही थी। कीमत के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में बढ़ोतरी, वित्त वर्ष 2024 में पिछले कुछ वर्षों में सबसे कम रही। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने नोटों की छपाई पर 5,101 करोड़ रुपये खर्च किए, इससे एक साल पहले की समान अवधि में नोटों की छपाई पर 4,682 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। रिजर्व बैंक ने लोगों के बीच करेंसी के उपयोग को लेकर एक सर्वेक्षण भी किया। इसमें 22,000 से ज्यादा लोगों ने संकेत दिए कि डिजिटल पेमेंट के तरीके लोक?प्रिय होने के बावजूद नगदी का चलन अभी भी जारी है।

एक बार फिर पोखरा एयरपोर्ट विवादों में घिरा, नहीं मिल रही व्यवसायिक उड़ान

-नेपाली पत्रकार ने खोली पोल, नेपाल को चुकाना होगा 5 फीसदी ब्याज

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में चीन के राजदूत चेंग सोंग और नेपाली पत्रकार गजेंद्र बुधाठोकी के बीच हुए विवाद से एक बार फिर पोखरा एयरपोर्ट विवादों में घिर गया है। गजेंद्र बुधाठोकी ने खुलासा किया है कि पोखरा एयरपोर्ट नेपाल को पहले बताई गई ब्याज दर से ज्यादा पैसा चीन के बैंक को देना होगा। चीन और नेपाल के बीच हुए समझौते में कहा गया है कि कुल 21 करोड़ 59 लाख डॉलर का कर्ज पोखरा एयरपोर्ट के लिए लिया गया है।

गजेंद्र ने बताया कि इस लोन पर दो प्रतिशत ब्याज चुकाना था लेकिन अब सरकारी दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि 5 फीसदी ब्याज नेपाल को चुकाना होगा। पोखरा एयरपोर्ट बनकर तैयार है लेकिन अभी तक कोई भी व्यवसायिक उड़ान यहां नहीं उतरी है जिससे नेपाल को कोई राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि बीआरआई प्रॉजेक्ट फेल होने की कगार पर है और अब चीन अपनी छवि बचाने के लिए इसे बीआरआई का हिस्सा बता रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से चीनी राजदूत सार्वजनिक रूप से पोखरा एयरपोर्ट का बचाव करने में सीमाएं लांघ गए। नेपाल में चीनी राजदूत के व्यवहार की कड़ी आलोचना हो रही है और मांग उठ रही है कि उन्हें वापस भेजा जाए। वहीं हाल के महीनों में नेपाल की सरकार ने चीन को मनाने का प्रयास कर रही है कि वह पोखरा एयरपोर्ट के कर्ज को ग्रांट में बदल दे ताकि उसे ब्याज नहीं देना पड़े। साल 2026 से नेपाल को इस एयरपोर्ट का लोन और ब्याज लौटाना शुरू करना है।

अमेरिकी हथियारों से रूसी सेना पर हमला करेगा यूक्रेन

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दी मंजूरी, पुतिन की धमकी के बाद लिया फैसला

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके हथियारों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इसमें यूक्रेन अमेरिकी एटीएसीएमएस मिसाइल का इस्तेमाल खार्किव को रूसी सेना से बचाने के लिए कर सकता है। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन इन हथियारों से रूसी सेना पर सीधा हमला कर सकता है। हालाकि, इनका इस्तेमाल रूसी सीमा के अंदर नहीं होना चाहिए। रूस ने 10 मई से खार्किव में हमले तेज कर दिए थे। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी देशों से उनके दिए गए हथियारों को रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने की मंजूरी मांगी थी।

अमेरिका ने पहले यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके हथियारों को इस्तेमाल करने से मना कर दिया था। अमेरिका को डर था कि अगर उसके हथियारों का इस्तेमाल रूस के खिलाफ हुआ, तो रूस इसे सीधे अमेरिका का हमला मानेगा।

यूक्रेन पर पहले भी हथियारों के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक प्रतिबंध नहीं था

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पहले भी यूक्रेन के अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक प्रतिबंध नहीं था। हालांकि, इस बात का डर था कि अगर ये रूस के खिलाफ इस्तेमाल हुए तो पुतिन सख्त कदम उठा सकते हैं। वहीं, हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था हमारी विदेश नीति समय के साथ बदलती या परिवर्तित होती जाती है। यह फैसला तब लिया गया है जब दो दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को हथियार देने वाले देशों को चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था कि यूक्रेन जिस देश से मिले हथियारों से रूस पर हमला करेगा, उस देश को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

चार दिन पहले कुछ पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करने को कहा था। सबसे पहले लातविया के राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स ने इसकी इजाजत दी थी। इसके बाद ब्रिटेन और स्वीडन ने भी यही किया। इसके अलावा कुछ दिन पहले ब्रिटेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टॉर्म शैडो मिसाइल भेजी थी। ये मिसाइल रूस के अंदर 250 किलो मीटर तक जा सकती है। इतना ही नहीं स्वीडन ने यूक्रेन को सेल्फ एक्टिव तोपों की टेक्नोलॉजी भी भेजी है।

मैक्रों के बयान पर भडके थे पुतिन

इससे पहले पिछले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि पश्चिमी देश यूक्रेन में सेना भेज सकते हैं। रूस की तरफ से इस पर भी कड़ी आपत्ति जताई गई थी। रूस की ओर से कहा गया था कि ऐसी किसी कोशिश के गंभीर परिणाम होंगे। हालांकि, मैक्रों के बयान को जर्मनी समेत कई पश्चिमी देशों ने खारिज कर दिया था। इसके बाद पुतिन ने सीधे तौर पर न्यूक्लियर जंग के लिए तैयार रहने की धमकी दी थी।

चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही जीडीपी ग्रोथ रेट

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग से ठीक दिन पहले इकोनॉमी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रही है। पिछले साल समान तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 6.2 फीसदी दर्ज की गई थी।

भारत का ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट वित्त वर्ष 24 की अंतिम तिमाही में शानदार तेजी से बढ़ा है। चुनाव नतीजों से पहले जीडीपी के आंकड़े जारी हुए हैं। भारत की जीडीपी मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी और केंद्र ने अब वित्त वर्ष 24 की समग्र विकास दर 8.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

आरबीआई ने लगाया था इतना अनुमान

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान 6.9 फीसदी से ज्यादा हुई है।

इतना रहा विदेशी मुद्रा भंडार

वहीं 24 मई को खत्म हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 648 बिलियन डॉलर रहा। इसमें बीते हफ्ते के मुकाबले मामूली 2 बिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। बता दें, चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रहने के साथ ही वित्तीय वर्ष 24 में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 फीसदी रह सकती है, जो कि भारतीय इकोनॉमी की मजबूती को दर्शाता है। चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ दर सभी अनुमान से बेहतर रहे हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार के निपटान को सक्षम करने के लिए भारतीय रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में नियमों को तर्कसंगत बनाया गया है। उदारीकृत प्रेषण योजना को तर्कसंगत बनाना और फेमा के तहत आईएफएससी नियमों की समीक्षा भी चालू वित्त वर्ष के एजेंडा का हिस्सा है।

आखिरकार हमास को झुकना पड़ा कहा- युद्ध रोक दो, हम बंधकों को लौटा देंगे

गाजा(ईएमएस)। इजरायल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया है। बीते कई महीनों से इजरायल लगातार हमास पर हमले बोल रहा है। इससे हमास और इजरायल को भारी नुकसान हुआ है। अब राफा के खिलाफ इजरायल की तेज होती कार्रवाई के बीच अब हमास समझौते के लिए तैयार है। खबर है कि फिलिस्तीनी समूह हमास ने इस संबंध में मध्यस्थों को इस संबंध में जानकारी भी दे दी है। खास बात है कि हमास इजरायल के साथ समझौता करना चाहता है, जिसमें बंधकों की वापसी भी शामिल है। 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया था, जिसके बाद से ही दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। बता दें कि भारत ने दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर इजराइली हमले में आम नागरिकों की मौत को हृदय विदारक बताते हुए गुरुवार को संघर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने का आह्वान किया। गाजा के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि 26 मई को हुए हवाई हमले में 45 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर लोग तंबुओं में शरण लिए हुए थे। इस हमले से दुनिया भर में भारी आक्रोश फैल गया और यहां तक कि इजराइल के कुछ करीबी सहयोगियों ने भी इसकी आलोचना की।

खास बात है कि इजरायल पहले भी हमास की तरफ से की गईं पेशकशों को ठुकरा चुका है। इजरायल का कहना है कि राफा में जारी कार्रवाई हमास को खत्म करने और बंधकों को बचाने के लिए है। इससे पहले इजरायल ने कहा था कि गाजा में हमास के खिलाफ उसका युद्ध पूरे साल जारी रहेगा। पहली बार इजरायल के टैंक राफा पहुंचे थे। हमास का कहना है कि उसने मध्यस्थों को बता दिया है कि वो जारी आक्रमण को लेकर बातचीत में शामिल नहीं होंगे। साथ ही कहा है कि अगर इजरायल युद्ध रोक देता है, तो वे पूर्ण समझौते के लिए तैयार हैं। खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब इजरायल इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के कहने के बाद भी राफा के खिलाफ कार्रवाई जारी रख रहा है।हमास के बयान के अनुसार, हमास और फिलिस्तीनी समूह आक्रमण, भुखमरी और हमारे लोगों के नरसंहार के बीच (सीजफायर पर) बातचीत जारी रखकर इस नीति में शामिल होना स्वीकार नहीं करेंगे। आगे कहा गया है, हमने मध्यस्थों को हमारा विचार बता दिया है कि अगर कब्जा करने वाले गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध और आक्रमण बंद कर देते हैं, तो हम पूर्ण समझौते के लिए तैयार हैं, जिसमें एक्सचेंज डील भी शामिल है।

हीटवेव दुनिया में तोड़ रहा रिकॉर्ड

दिल्ली में 52.9 और ईरान में 66 डिग्री सेल्सियस तापमान

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में 52.9 डिग्री सेल्सियस का पारा दिखाई दिया तो लोग त्राहिमाम करने लगे. ईरान में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है. हीटवेव लगातार दुनिया में बढ़ते तापमान का रिकॉर्ड तोड़ रहा है. 2022 में इंग्लैंड का तापमान जुलाई महीने में 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था. पिछले साल यानी 2023 में चीन का एक कस्बा 52 डिग्री सेल्सियस गर्मी झेल रहा था. साल 2021 में इटली के सिसली में पारा 48.8 डिग्री पहुंचा था.

हो क्या रहा है ये? धरती गर्म हो रही है. हवा गर्म हो रही है. पानी गर्म हो रहा है या ये कुछ समय की दिक्कत है. दिल्ली के मुंगेशपुर में जो पारा दिखाई दिया उसे लेकर कन्फ्यूजन है. मौसम विभाग मना कर रहा है. लेकिन तापमान तो बढ़ा है. इससे कैसे मना करेगा? पारा होता है 43 डिग्री, महसूस होता है 50 डिग्री सेल्सियस. दिल्ली अब जाकर उन इलाकों में शामिल हुआ है, जो रिकॉर्ड तोडऩे वाले तापमान में पहले से थे. यानी वो इलाके जहां पारा 50 डिग्री सेल्सियस पहुंचता है. कभी-कभी उससे ऊपर भी निकल जाता है. जिनके उदाहरण अभी पहले पैराग्राफ में दिए गए. पिछली साल ईरान में जुलाई महीने में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था.

ईरान ने की थी सार्वजनिक छुट्टी

ईरान को सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा करनी पड़ी थी. बुजुर्गों को बाहर न निकलने की सलाह दी गई थी. अगर 66 डिग्री सेल्सियस का हीट इंडेक्स होता है, यानी वो जानलेवा है. इस तापमान को इंसानी शरीर बर्दाश्त नहीं कर पाएगा. ज्यादा देर तो नहीं. ऐसे में जो पारा हमें फील होता है, वो बहुत ज्यादा होगा. अस्पताल या मौत तो पक्की है. अभी हम 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास गर्मी बर्दाश्त कर रहे हैं, ज्यादा समय नहीं है, जब ये 50 डिग्री होगा.

क्यों टूट रहा है गर्मी का रिकॉर्ड?

लगातार पेट्रोल, डीजल का इस्तेमाल. जंगलों को काटना. इंडस्ट्री का बढ़ना. खेतीबाड़ी. इन सबसे ग्रीनहाउस गैसों का जमावड़ा होता है. ज्यादातर कार्बन डाईऑक्साइड और मीथेन. इसकी वजह से धरती के वायुमंडल में गर्मी फंस जाती है. इससे पृथ्वी पर मौजूद हर चीज का औसत तापमान बढ़ जाता है. चाहे वह जमीन हो. जल हो या हवा. इसकी वजह से मौसमी बदलाव होते हैं. चरम गर्मी यानी हीटवेव की घटनाएं बढ़ जाती हैं.

भारत में गर्मी अब भी दुनिया के औसत से कम

इंग्लैंड की कार्बन ब्रीफ नाम की संस्था ने एक रिपोर्ट दी थी कि साल 2013 से 2023 के बीच धरती के तापमान में 40 फीसदी का इजाफा हुआ है. खासतौर से अंटार्कटिका की तरफ. भारत में तो अब भी वैश्विक औसत तापमान से नीचे चल रही है गर्मी. अप्रैल 2024 लगातार 11वां सबसे गर्म महीना था. मई 2023 से अप्रैल 2024 के सभी महीने लगातार प्री-इंडस्ट्रियल काल (1850-1900) की तुलना में 1.61 डिग्री सेल्सियस गर्म थे.

उत्तराखंड के बाद अब हिमाचल प्रदेश के जंगलों में लगी आग, बुझाने के प्रयास जारी

शिमला,(ईएमएस)। उत्तराखंड के बाद अब हिमाचल प्रदेश में जंगल की आग से लाखों बेजुबान जानवरों की मौत हो गई है। शिमला, मंडी, बिलासपुर और सोलन जिले में चिड़ के जंगल आग की चपेट में हैं। वन विभाग आग बुझाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन लगातार आगजनी के मामले सामने आ रहे हैं। सोलन और शिमला में जंगल की आग रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई और यहां पर कालका-शिमला रेललाइन पर ट्रेने भी प्रभावित हो रही है। शिमला में जंगल की आग के चलते समहिल और तारादेवी के पास ट्रेनें रोकनी पड़ी।

जानकारी के मुताबिक शिमला के जंगल में बीते तीन दिन से आग लगी हुई है। आग रिहाशयी इलाकों की ओर पहुंची गई है। गुरुवार को तारा देवी और समरहिल के जंगलों में आग लगी और जिससे शिमला-कालका रेल ट्रैक की सभी ट्रेनों का आना जाना पूरी तरह बंद कर दिया गया था। कुछ ट्रेन जहां तारा देवी स्टेशन पर खड़ी रहीं।

शिमला के तारा देवी स्टेशन पर ट्रेन रोकने से यात्रियों को खासी दिक्कत हुई। आग को बुझाने के लिए कर्मचारी जुटे गए लेकिन आग बुझाने के प्रयास नाकाम साबिह हुए।

हिमाचल के बिलासपुर जिले में एम्स अस्पताल के पास जंगलों में भी आग लगी है। बंदलाधार का जंगल राख में तबदील हो गया है। सोलन के कसौली सहित मंडी में भी चिड़ के जंगल जल रहे हैं। मंडी के कोटली के तुंगल इलाके में आग से जनजीवन पर असर पड़ा है। प्रदेश में बीते 75 दिनों में जंगलों में आग के 1080 मामले सामने आए हैं। वन विभाग के पास मैनपावर कम है। ग्रामीण इलाकों में लोग कुछ हद तक मदद कर रहे हैं।

वन विभाग के एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कन्जर्वेटर पीके राणा ने बताया कि गर्मी के मौसम से पहले विभाग ने लोगों को जागरूक करने के लिए 900 बैठक की थी। कई इलाकों में लोग भी मदद के लिए आ रहे हैं। मुख्य सचिव ने भी आपदा प्रबंधन और विभागों से साथ बैठक की है। उन्होंने बताया कि हिमाचल में ड्राई स्पेल के चलते भी आग ज्यादा भड़क रही है।

आगउगलते सूरज ने बढ़ाई परेशानी, तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर ,बढऩे लगा नदियों का जलस्तर, नमामिगंगे के घाट डूबे

रुद्रप्रयाग (ईएमएस)। आग उगलते सूरज की गर्मी से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों का जलस्तर भी बढऩे लगा है। अलकनंदा और मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढऩे से रुद्रप्रयाग में नामामि गंगे परियोजना के तहत बने सभी घाट जलमग्न हो गए हैं। तेज वेग से बह रहीं दोनों नदियों का जलस्तर मई में ही बरसात के मौसम जैसा हो गया है। वहीं, मौसम की बेरुखी से अन्य स्थानों पर प्राकृतिक जलस्रोतों का पानी तेजी से कम हो रहा है।

शुक्रवार को मुख्यालय में तापमान भी 38 डिग्री दर्ज किया गया। मई में जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से घाटी क्षेत्र ही नहीं, ऊपरी पहाड़ी गांव के लोग भी बेहाल हैं। केदारघाटी के गुप्तकाशी, ऊखीमठ, फाटा, सोनप्रयाग और गौरीकुंड में भी सुबह से चटक तेज धूप से आमजन और यात्री परेशान हो रहे हैं। गुप्तकाशी के वयोवृद्ध वचन सिंह पंवार बताते हैं कि पहली बार पहाड़ के ऊपरी क्षेत्रों में सूरज की तपन असहनीय हो रही है। रमेश जमलोकी उत्तराखंडी का कहना है कि पर्यटन और तीर्थाटन के नाम पर पहाड़ में जो मानव जाम लग रहा है वह गर्मी बढऩे का प्रमुख कारण है। वातानुकूलित होटल, रेस्टोरेंट, लॉज के निर्माण से पहाड़ की ठंडक खत्म हो रही है।

वनाग्नि से आद्र्रता घटी

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप शोध संस्थान के निदेशक डॉ. विजयकांत पुरोहित का कहना है कि इस वर्ष गर्मी अपने चरम पर है, जो प्रकृति और पर्यावरण के लिए शुभ नहीं है। उन्होंने बताया कि शीतकाल में पर्याप्त बारिश व बर्फबारी नहीं होने और वनाग्नि की घटनाएं बढऩे से वातावरण में आद्र्रता कम हो गई है। इस कारण गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। गर्मी बढऩे से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं जिससे नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जो शुभ नहीं है।

11750 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में भी इस बार मौसम का मिजाज बदला हुआ है। यहां सुबह 9 बजे के बाद धूप की तपन तेज हो रही है। दोपहर तक तापमान 15 से 18 डिग्री तक पहुंच रहा है। गढ़वाल मंडल विकास निगम के कर्मचारी गोपाल सिंह रौथाण ने बताया कि यात्रियों का कहना है कि केदारनाथ में धूप की तपन मैदानी क्षेत्रों से ज्यादा महसूस हो रही है। केदारनाथ पुनर्निर्माण से जुड़े सेवानिवृत्त कैप्टन सोवन सिंह बिष्ट का कहना है कि बीते वर्ष की तुलना में इस बार केदारनाथ में मौसम काफी बदला हुआ है। बारिश नाममात्र हो रही है और रात को भी ठंड का असर ज्यादा नहीं है।

बौखलाए अजरबैजान ने पाकिस्तान में उठाया कश्मीर का मुद्दा

इस्लामाबाद(ईएमएस)। अजरबैजान के विदेश मंत्री इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर है। इस दो दिवसीय यात्रा पर वे पाकिस्तान के घनिष्ठ मित्र की भूमिका में हैं। और भारत के मामलों में दखले देने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अजरबैजान के विदेश मंत्री जेहुन बायरामोव ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कश्मीर का मुद्दा उठाया। आर्मेनिया के साथ युद्ध में पाकिस्तान से मिले समर्थन पर बोलने के बाद उन्होंने कश्मीर को लेकर भी बयान दिया। भारत लगातार अजरबैजान के सबसे बड़े दुश्मन आर्मेनिया को हथियार की सप्लाई करता है। बायरामोव का कश्मीर मुद्दा उठाना अजरबैजान की यही बौखलाहट दिखाता है।

कश्मीर मुद्दे पर तुर्की के बाद पाकिस्तान का सबसे बड़ा समर्थक अजरबैजान है। वह भी भारत के खिलाफ कश्मीर का मुद्दा उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। यही कारण है कि भारत ने भी अजरबैजान के सबसे बड़े दुश्मन आर्मेनिया के साथ हाथ मिला लिया है। अजरबैजान को तुर्की और पाकिस्तान हथियार देते हैं। वहीं आर्मेनिया को भारत, ग्रीस और फ्रांस खतरनाक हथियारों से ताकत दे रहे हैं। आर्मेनिया ने भारत से पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर खरीदा है। भारत ने आर्मेनिया को 2023 में पिनाका की डिलीवरी ईरान के जरिए की थी। इस खबर से अजरबैजान पूरी तरह बौखला गया था। साल 2024 के अप्रैल में अजरबैजान ने भारत से आर्मेनिया को हथियार न देने को कहा था। अजरबैजान की राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंताओं का हवाला देते हुए राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा था, यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। हम यह देखते नहीं रह सकते कि फ्रांस, भारत और ग्रीस हमारे खिलाफ आर्मेनिया को खुलेआम हथियार दे रहे हैं।जेहुन बायरामोव ने इशाक डार के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अजरबैजान हमेशा पाकिस्तान के समर्थन का धन्यवाद देता है। पहले हुए अजरबैजान-आर्मेनिया युद्ध में भी हमें समर्थन मिला है।

नियमों के मुताबिक दोषी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकता

ट्रम्प को सजा मिलने के बाद क्या राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकेंगे

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के एक मामले में डोनाल्ड ट्रंप को रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 आरोपों में दोषी पाया गया और इसी के साथ वह किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए गए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान दल ने कहा कि कानून से ऊपर कोई भी नहीं है। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। अब सवाल है कि क्या ट्रम्प फिर अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ सकते हैं।

अमेरिका के नियम के मुताबिक दोषी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकता है। अमेरिका संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए सिर्फ तीन योग्यताओं की जरूरत होती है। पहला वह अमेरिका का जन्म से नागरिक होना चाहिए। उम्र 35 वर्ष या उससे अधिक हो और कम से कम 14 वर्षों से अमेरिका में रह रहा हो। ट्रंप तीनों को ही पूरा करते हैं। हालांकि 14वें संशोधन का नियम यह भी कहता है कि ऐसा व्यक्ति जिसने पहले पद की शपथ ही और विद्रोह में शामिल हुआ है वह राष्ट्रपति नहीं हो सकता।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को जेल भेजना वैसे इतना आसान भी नहीं है। सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिल्मी के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें आजीवन सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा मिली हुई है। वह जहां भी रहेंगे उन्हें सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के नतीजे अमेरिका की सीक्रेट सर्विस के अपने मिशन को पूरा करने के तरीकों पर असर नहीं डालेगा। यानी जेल जाने पर वहां भी ट्रंप के लिए सीक्रेट सर्विस तैनात होगी।

१० स्कूलों की अग्नि सुरक्षा अवधि पूरी

अहमदाबाद शहर डीईओ कार्यालय १ हजार स्कूलों में जांच करेगा

अहमदाबाद कार्यालय के २० अधिकारियों को अलग-अलग कार्य सौंपे गए: अहमदाबाद डीईओ

अहमदाबाद, ३१ मई । राजकोट में टीआरपी गेमजोन अग्निकांड के बाद अब राज्य के सभी विभागों द्वारा अग्नि सुरक्षा को लेकर जांच की जा रही है, जिसमें शिक्षा विभाग को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इसके अलावा अब सरकार के आदेश से राज्य भर के सभी भवनों, परिसरों, इकाइयों, अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों में फायर एनओसी निरीक्षण शुरू कर दिया गया है।

जिसके लिए अहमदाबाद डीईओ कार्यालय की ओर से विभिन्न अधिकारियों को काम सौंपा गया है। जिसमें अहमदाबाद शहर के डीईओ कार्यालय के अंतर्गत आने वाले १००० स्कूलों में चेकिंग की गई है। स्कूलों में अग्नि सुरक्षा की जांच के मामले में अहमदाबाद डीईओ राकेश चौधरी ने कहा कि अहमदाबाद कार्यालय के लगभग २० अधिकारियों को अलग-अलग कार्य सौंपे गए हैं।

प्रत्येक को कम से कम पांच स्कूलों की जांच करने का निर्देश दिया गया है । जिसके चलते दो दिनों में करीब २०० स्कूलों की जांच की जा चुकी है । स्कूलों में सुबह का समय अधिकारियों को दिए गए पांच स्कूलों के मुताबिक रोजाना करीब १०० स्कूलों का निरीक्षण किया जाता है । ग्रामीण डीईओ द्वारा अब तक ७० स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है ।

इस जांच में पाया गया कि शहर डीईओ के अधीन ९ और ग्रामीण क्षेत्र के १० स्कूलों में फायर एनओसी खत्म हो चुकी है । निगम और डीईओ के अलावा मामलातदार कार्यालय द्वारा भी ग्रामीण स्कूलों में अग्नि सुरक्षा की जांच की जा रही है । इसके अलावा यह देखा गया है कि डीईओ के अधीन ११ स्कूलों की छत पर शीट-प्लास्टिक शेड हैं । जिसके चलते इन स्कूलों को नोटिस भी जारी किया गया है । इन सभी स्कूलों से स्पष्टीकरण मांगा गया है । जिसमें ८ स्कूलों की आमने-सामने की सुनवाई पूरी हो चुकी है और तीन स्कूलों की सुनवाई लंबित है । इन स्कूलों को शेड गिराने या सील करने का आदेश दिया गया है । अहमदाबाद के शिक्षा विभाग के डीईओ राकेश चौधरी ने कहा कि हम स्कूलों में फायर कॉरिडोर का संचालन कर रहे हैं, कि क्या फायर उपकरण चालू स्थिति में हैं और क्या यह चालू है ।

जरूरत पड़ने पर हम स्कूलों में रिहर्सल भी कराते हैं । हमारी जांच हफ्तों तक जारी रहेगी ।' जिन स्कूलों की फायर एनओसी की अवधि अगले एक माह में समाप्त होने वाली है, उन्हें भी अपनी फायर एनओसी का नवीनीकरण कराने का आदेश दिया गया है । गौरतलब है कि फिलहाल स्कूलों में छुट्टियां चल रही हैं । कुछ समय बाद जब नया सत्र शुरू होगा । इससे पहले अहमदाबाद शहर के हर स्कूल के प्रिंसिपल को एक सर्कुलर के जरिए सूचित किया जा चुका है । जिसमें निम्नलिखित लिखित निर्देश दिए गए हैं । अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच करना, यदि आवश्यक हो तो नए उपकरण स्थापित करना, अग्नि सुरक्षा उपकरणों को चालू रखना, अग्नि एनओसी को नवीनीकृत करना, अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल, बच्चों-कर्मचारियों को आपातकालीन प्रवेश-निकास की जानकारी देना आदि का पालन हर स्कूल को करना होगा ।

गुजरात में १५ जून को मॉनसून दस्तक देगा

अहमदाबाद, ३१ मई । गुजरात के निवासियों, अब उन रेनकोटों और छतरियों को झाड़ने का समय आ गया है! भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि मानसून १५ जून से राज्य में दस्तक देगा, जिससे मई के बाद काफी राहत मिलेगी । दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पहले ही केरल पहुंच चुका है और उत्तर की ओर बढ़ रहा है, जल्द ही गुजरात को अपनी ठंडक से सराबोर कर देगा ।

मंगलवार को, आईएमडी ने भविष्यवाणी की कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के १५ जून तक गुजरात में प्रवेश करने की उम्मीद है । यानी अगले सात दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा । एक अलग सलाह में, आईएमडी ने अगले दो दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में लगभग ३० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ''तेज सतही हवाओं'' की चेतावनी दी है । एडवाइजरी में विशेष रूप से कच्छ, पाटन, बनासकांठा, सुरेंद्रनगर और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी की संभावना भी बताई गई है । ये स्थितियाँ अस्थायी व्यवधान पैदा कर सकती हैं और निवासियों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है । अहमदाबाद में, गर्मी विशेष रूप से दमनकारी रही है, गुरुवार को तापमान अधिकतम ४२ ।८ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया । आगामी मानसून से चल रही गर्मी से काफी राहत मिलने की उम्मीद है ।

मिट्टी धंसने से श्रमिक की मौत

सूरत (ईएमएस) सूरत के पासोदरा क्षेत्र में निर्माण स्थल पर मिट्टी धंसने से तीन श्रमिक उसमें दब गएं घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने तीनों श्रमिकों को बाहर निकाल लियां हांलाकि एक श्रमिक की मौत हो गई, जबाकि दो मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं सरथाणा पुलिस मामले की जांच कर रही हैं

हिम्मतनगर के मोतीपुरा में साबरमती गैस पाइपलाइन में आग लगी

साबरकांठा, ३१ मई । हिम्मतनगर के मोतीपुरा इलाके में सार्वजनिक सड़क पर साबरमती गैस पाइपलाइन में अचानक आग लग गई । आग की लपटों के कारण सड़क पर चल रहे वाहन रुक गए । लोगों में भगदड़ मच गई । इस घटना की जानकारी होने पर साबरमती गैस कंपनी के कर्मचारी आये और कोक बंद कर दिया । इसलिए दमकल विभाग ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर आग बुझाई । गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सिस्टम ने राहत की सांस ली । गुजरात में राजकोट अग्निकांड की चर्चा अभी शांत भी नहीं हुई थी कि मोतीपुरा में सार्वजनिक सड़क पर अचानक आग की लपटें उठने लगीं. हिम्मतनगर, साबरकांठा । जिसके कारण सड़क पर सभी दिशाओं में यातायात रोक दिया गया । आग लगने की घटना की जानकारी हिम्मतनगर नगर पालिका के अग्निशमन विभाग को दी गई. साबरमती गैस के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और गैस पाइपलाइन के पास कोक को बंद कर दिया ।

दमकल विभाग ने मौके पर पानी की बौछार कर आग बुझाई. आग लगने का मुख्य कारण सड़क किनारे जमीन में साबरमती गैस पाइपलाइन और उस पर जमा कूड़ा जलाना है । जब ऐसी घटनाएं अक्सर हो रही हैं, तो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नागरिकों के बीच उचित कार्रवाई और जागरूकता आवश्यक है, चार दिन पहले, तालोद तालुका में गंभीरपुरा के पास सड़क पर साबरमती गैस पाइपलाइन में आग लग गई ।

बीजेपी लोकसभा चुनावों में जीत पर गुजरात में नहीं मनाएगी जश्न

अहमदाबाद, ३१ मई । लोकसभा चुनावों के सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग से पहले बीजेपी ने बड़ा फैसला लिया है । बीजेपी ने लोकसभा चुनावों के नतीजों वाले दिन जीत पर जश्न नहीं मनाने का फैसला किया है । पार्टी की तरफ से राज्य के सभी उम्मीदवारों को जिला अध्यक्षों को सेलिब्रेशन नहीं करने का निर्देश दिया गया है । गुजरात में लोकसभा की कुल २६ सीटें हैं । इनमें सूरत लोकसभा सीट को बीजेपी पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है। ४ जून को मतगणना में बाकी २५ सीटों के नतीजे घोषित किए जाएंगे ।राज्यमें चार जून को २६ केंद्रों पर मतगणना होगी । आयोग ने आणंद सीट की मतगणना दो केंद्रों पर कराने का फैसला किया है । गुजरात बीजेपी के महासचिव रजनी पटेल ने राज्य के सभी शहर अध्यक्षों और लोकसभा के कैंडिडेट को सूचित किया है कि चार जून को मतगणना कोई विजयजुलूस नहीं निकाला जाए, न ही इस मौके पर कोई आतिशबाजी और दूसरा सेलिब्रेशन हो ।

गुजरात बीजेपी के अनुसार चार जून मतगणना के दौरान बीजेपी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, प्रत्याशियों और समर्थकों को निर्देश दिया गया है कि वे कोई जलसा न करें । जीत मिलने पर इस सादगी से स्वीकार करें । मतगणना में पार्टी उम्मीवार की जीत होने पर खुली जीप या दूसरे वाहन से कोई विजय जुलूस न निकालें । मतगणना स्थल और बीजेपी दफ्तरों पर कोई आतिशबाजी और सजावट नहीं की जाए । जीत के मौके पर मिठाई खिलाने और खाने की व्यवस्था नहीं हो । बीजेपी की तरफ से कहा गया है कि कोई फूल और पुष्पगुच्छ से स्वागत भी न करे । पार्टी ने इन तमाम निर्देशों के साथ डीजे और बैंड के साथ होने पर सेलिब्रेशन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है ।

बीजेपी की तरफ से कहा गया है कि प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जश्न नहीं मनाने का फैसला किया गया । इसमें फैसला लिया गया है कि विजय सुनिश्चित होने के बाद कोई जश्न नहीं मनाएं । इतना ही नहीं जीत के बाद होने वाले सम्मान समारोह को टाल दें । बीजेपी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सिर्फ भारत माता की जय के नारे लगाने की अनुमति दी है । गुजरात में पिछले दोनों चुनावों से बीजेपी सभी २६ सीटें जीतती आ रही है । गुजरात बीजेपी के प्रत्याशियों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, परशोत्तम रूपाला भी शामिल हैं ।

फायर ऑफिसर की नियुक्तिको लेकर गुजरात सरकार सक्रिय

गांधीनगर, ३१ मई । राजकोट के टीआरपी गेमजोन में आग लगने से ३३ लोगों की मौत के बाद अब राज्य सरकार जाग गई है । इसके बाद सरकार ने भी कुछ बदलाव करने का फैसला किया है । सरकार अब निजी इकाइयों में निजी अग्निशमन अधिकारी की नियुक्तिका आदेश दे सकती है । जो उन बड़ी इकाइयों में नियुक्तियों का आदेश दे सकता है जहां बड़ी भीड़ एकत्र होती है । २५ मई को राजकोट में एक गेमिंग जोन में आग लग गई, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और कई परिवार बिखर गए । इस अग्निकांड के बाद अब प्रदेश में सिस्टम जाग गया है । अब अलग-अलग जिलों में सिस्टम द्वारा चेकिंग की गई है और फायर सेफ्टी न होने वाली कई इकाइयों और फायर कॉरिडोर को सील कर दिया गया है । अब सरकार फायर सेफ्टी को लेकर नए नियम बनाने पर विचार कर रही है ।

अग्निकांड के बाद राज्य सरकार अग्नि निरोधक कानून में संशोधन पर विचार कर रही है । अब सरकार भीड़भाड़ वाली इकाइयों में अग्निशमन अधिकारियों की नियुक्ति का आदेश दे सकती है । वाणिज्यिक इकाइयों को निजी अग्निशमन अधिकारियों की भर्ती करनी होगी ।

आग लगने की स्थिति में जिम्मेदारी अग्निशमन अधिकारी की होगी । सरकार सरकारी व्यवस्थाओं पर बोझ न बढ़ाने पर विचार कर रही है । बड़ी इकाइयाँ जहाँ बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं, भीड़भाड़ वाली इकाइयों में अग्निशमन अधिकारियों की नियुक्तिअनिवार्य हो सकती है । ऐसे परिसर में मॉल, मल्टीप्लेक्स, होटल, सिनेमा हॉल, सामुदायिक हॉल सहित इकाइयां शामिल होंगी ।

ऐसे पदों पर प्राइवेट फायर ऑफिसर की भर्ती करनी होगी । इसमें नियुक्त एक निजी अग्निशमन अधिकारी के पास विभिन्न जिम्मेदारियां होंगी । जिसमें फायर उपकरणों की जांच और रखरखाव जैसी जिम्मेदारियां होंगी । साथ ही निजी अग्निशमन अधिकारियों और उन इकाइयों पर भी सरकारी तंत्र का नियंत्रण होगा ।

गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल और पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल पर कुमारबाग-चनपटिया स्टेशनों के बीच नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गांधीधाम-भागलपुर साप्ताहिक स्पेशल और पोरबंदर-मुजफ्फरपुर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण इस प्रकार हैः

7 और 14 जून 2024 को गांधीधाम से चलने वाली ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर साप्ताहिक स्पेशल अपने निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बापूधाम मोतिहारी-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलेगी।

13 जून 2024 को पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बापूधाम मोतिहारी-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलेगी।

यात्रियों से निवेदन है की उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.iåianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

NIFT गांधीनगर ने 31 मई2024 को में फैशन डिजाइन, फैशन टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल डिजाइन और स्पेस डिज़ाइन विभाग के ग्रेजुएशन शो केस और प्रस्तुतियों की मेजबानी की

निफ्ट गांधीनगर ने 31मई 2024 को निफ्ट गांधीनगर कैंपस में कक्षा 2024, फैशन डिजाइन के इंपल्स 2024, स्पेस डिजाइन के व्यक्ति 2024, टेक्सटाइल डिजाइन के टेंटू 2024 और फैशन टेक्नोलॉजी के टेक्नोवा 2024 के लिए ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स और प्रेजेंटेशन का आयोजन किया। श्रीमती सुनैना तोमर, अतिरिक्त मुख्यसचिव, गुजरात सरकार, इस अवसर के लिए मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने श्री ललित नारायण सिंहसंडू, प्रबंधनिदेशक, गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड और प्रो डॉ समीर सूद, निदेशक, एनआईएफटी गांधीनगर की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

निफ्ट गांधीनगर के स्नातक छात्रों के स्नातक समारोह को देखने के लिए उद्योगों से आमंत्रित अतिथि के रूप में। श्री मौलिक भगत, प्रबंध निदेशक – नवजात इन्फो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड संस्थापक और सीईओ –1000 द्वीप होटल और रिसॉर्ट्स, श्रीजयवोरा, सह-संस्थापक, सर्पेंट कंसल्टिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रुचि मेहता, डिजाइन निदेशक, फ्यूचर रिसर्च डिज़ाइन कंपनी, बैंगलोर, सुश्री शेफाली गौर, ट्रांस फॉर्मेशन लीडर, इकोसिस्टम इंजीनियरिंग आईबीएम इंडिया सॉफ्टवेयर लैब्स, सुश्री अक्षय विजयलक्ष्मी, मार्केटिंग के एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए), श्री राहुल काव्या, निदेशक, मेसर्स आयमा क्रिएशंस, अहमदाबाद, श्री साहिलगोहिल, निदेशक, मेसर्सब्लूबुद्धा, अहमदाबाद।

कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह के साथहुई, जिसमें प्रोफेसरडॉ समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर और श्रीमती सुनैना तोमर, अतिरिक्त मुख्यसचिव, गुजरात सरकार के प्रेरक भाषण शामिल थे।

पूनावाला फिनकॉर्प के तरफ से ग्राहकों के लिए को-ब्रांडेड 'इंडसइंड बैंक पूनावाला फिनकॉर्प इलाईट रुपे प्लैटिनम क्रेडिट कार्ड' का अनावरण

अहमदाबाद : पूनावाला फिनकॉर्प लिमिटेडने इंडसइंड बैंक के साथ मिलकर अपने ग्राहकों के लिए 'इंडसइंड बैंक पूनावाला फिनकॉर्प इलाईट रुपे प्लैटिनम क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की आज घोषणा की । यह दो वित्तीय संस्थानों का को-ब्रांडेड कार्ड है । यह प्लैटिनम कार्ड विशेष रूप से ग्राहकों के बैंकिंग अनुभव को फिर से परिभाषित करने और बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।

कंपनी अपने मूल्यवान ग्राहकों की तेजी से बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करने की अपनी वर्तमान प्रतिबद्धता को पूरा करने पर केंद्रित है । इसलिए, इस को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लॉन्च पूनावाला फिनकॉर्प के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है ।

पूनावाला फिनकॉर्प के प्रबंध निदेशक (एमडी) अभय भुतडा ने इस साझेदारी के महत्व को समझाते हुए कहा, ''हम 'इंडसइंड बैंक पूनावाला फिनकॉर्प इलाईट रूपे प्लैटिनम क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और यह कार्ड हमारे ग्राहकों के सपनों को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है । इस कार्ड को पेश करके हम अधिक से अधिक नए ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं । हमारा लक्ष्य डिजिटल चैनलों के माध्यम से अपने मौजूदा ग्राहकों के साथ जुड़ाव को और बढ़ाना है ।''

परी सैनिटरी पैड्स ने लॉन्च किया #F] जहरवर्कफ्लो कैंपेन: कार्यस्थल को पीरियड-अनुकूल बनाने के लिए अपने दृष्टिकोण #परिवर्त्तन का किया विस्तार

नेशनल, मई, 2024: विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर सूद हेल्थकेयर की ओर से स्वदेशी महिला हाइजीन ब्राण्ड परी सैनिटरी पैड्स ने अपने नए कैंपेन क्ष्ज़्जहरवर्कफ्लो का लॉन्च किया है। ब्राण्ड ने अपने कैंपेन क्ष्परीवर्तन का विस्तार करते हुए यह पहल की है, जिसे पिछले साल माहवारी के दौरान हाइजीन के बारे में जागरुकता, शिक्षा एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था।

साहिल धारिया, संस्थापक एवं सीईओ, सूद हेल्थकेयर ने इस अवसर पर कहा, ''माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर #F]जहरवर्कफ्लो कैंपेन की शुरूआत करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। हम जीवन के हर पहलू में, खासतौर पर कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए माहवारी के अनुकूल माहौल बनाना चाहते हैं। यह कैंपेन माहवारी को महिलाओं के लिए गरिमामय अनुभव बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करता है। माहवारी के बारे जागरुकता और शिक्षा बढ़ाकर हम ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जो महिलाओं की माहवारी संबंधी ज़रूरतों को समझे। हमाना मानना है कि हमारी यह पहल महिलाओं के लिए अधिक समावेशी एवं एक समान समाज के निर्माण में योगदान देगी।''

हाई कोर्ट के जज की अध्यक्षता में एक सीट का गठन करने की माग

राजकोट अग्निकांड में क्षत्रिय मैदान में उतरे , क्षत्रियों ने एसआईटी की जांच पर सवाल उठाए क्योंकि नियुक्तएसआईटी राज्य सरकार के नियंत्रण में थी

राजकोट, ३१ मई । लोकसभा चुनाव के दौरान राजकोट के बीजेपी उम्मीदवार परशोत्तम रूपाला ने क्षत्रियों के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिसका क्षत्रियों ने कड़ा विरोध किया था । अब चुनाव संपन्न होने के बाद क्षत्रिय फिर से मैदान में उतर आये हैं । क्षत्रिय समन्वय समिति ने प्रेस वार्ता की । जिसमें उन्होंने राजकोट घटना में जैन के राज्य सरकार के नियंत्रण में होने के कारण एसआईटी की जांच पर सवाल उठाए । समन्वय समिति ने इसकी जांच हाईकोर्ट के जज से कराने की मांग की है । इसके अलावा सरकार से मृतकों के परिवारों को अधिक सहायता देने की भी मांग की गई । क्षत्रिय समाज समन्वय समिति के प्रांतीय प्रवक्ता करण सिंह चावड़ा ने कहा कि टीआरपी गेम जोन को नुकसान दुखद है । इस घटना में सिर्फ क्षत्रिय समुदाय के लोग ही नहीं बल्कि अन्य समुदाय के लोगों की भी मौत हुई है । सभी मृतकों के परिवारों से मुलाकात । मृतक सुनीलभाई सिद्धपुरा के घर की हालत बेहद गंभीर है । उनके परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है । इसके अलावा आशाबेन ने कथड़ के परिवार से मुलाकात की । अब हम क्षत्रिय समाज के मृत लोगों के परिवारों से मिलेंगे । जिसके बाद हम एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को देंगे और सहायता राशि बढ़ाने की मांग करेंगे ।

एसआईटी के गठन के बाद पिछली घटनाओं के आरोपियों की क्या स्थिति है? क्या वे जेल में हैं या जमानत पर बाहर हैं? इसका श्वेत पत्र राज्य सरकार को प्रकाशित करना चाहिए । करण सिंह ने आगे कहा कि इस घटना के लिए इस क्षेत्र के पार्षद, विधायक, मेयर, स्थायी समिति अध्यक्ष और सांसद को जिम्मेदार ठहराया गया है । इसलिए उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए । घटना के बाद बाल विकास मंत्री भानुबेन बाबरिया, मेयर नयनाबेन पेधड़िया, स्थायी समिति के अध्यक्ष जयमीन ठाकर, राज्यसभा सांसद राम मोकरिया, राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार परशोत्तम रूपाला सहित अन्य लोग देर से पहुंचे । इस घटना में जितने अधिकारी जिम्मेदार हैं, उतने ही ये पदाधिकारी भी जिम्मेदार हैं । प्रदेश अध्यक्ष ने स्थिति को संभालने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस तक नहीं की है । रामजुभा जाडेजा ने कहा कि इससे पहले सूरत के तक्षशिला, वडोदरा के हरणी नाव कांड या राजकोट के टीआरपी गेम जोन कांड पर एसआईटी का गठन किया जा चुका है । लेकिन ये जीन राज्य सरकार के नियंत्रण में हैं । इसलिए गुजरात हाई कोर्ट के जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाना जरूरी है ।

पाटन के एक हॉस्टल में युवक-युवती की मौत

पाटन, ३१ मई । पाटन के एक बॉयज हॉस्टल में एकलड़के औरएकलड़की की संदिग्ध मौत हो गई है । पाटन के देवदर्शन कॉम्प्लेक्स स्थित जेडी बॉयज हॉस्टल के एक कमरे में संदिग्ध हालत में युवक और युवती की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है । पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है । युवक का शव पंखे से लटका मिला जबकि युवती का शव बिस्तर पर मिला ।

हॉस्टल मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी । लड़का एक हॉस्टल में पीजी बनकर रह रहा था जबकि लड़की पाटन शहर की रहने वाली है । पीजी में रहने वाला लड़का यूपी का रहने वाला है, जबकि लड़की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी । मौके से युवक-युवती के मोबाइल और आधार मिले । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों के शवों को सिविल अस्पताल पहुंचाया । घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी ।

राजकोट अग्निकांड के बाद अग्नि सामग्री व्यापार में ८०% की वृद्धि

सूरत, ३१ मई । राजकोट अग्निकांड के बाद धड़ल्ले से बिक रहे अग्निशमन उपकरण राजकोट अग्निकांड के बाद सिस्टम उन संस्थाओं पर कार्रवाई कर रहा है, जिनके पास पूरे राज्य में अग्निशमन विभाग नहीं है. सिस्टम की कार्रवाई के बाद लोग नए फायर उपकरण खरीदने के लिए दौड़ पड़े हैं । सूरत शहर के सभी फायर उपकरण विक्रेताओं के यहां भीड़ उमड़ रही है । पहले भी इसी तरह ग्राहक आते थे. ग्राहकों में अचानक ९०% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है । विक्रेता के पास स्टॉक नहीं होने के कारण ग्राहकों को दो दिन की वेटिंग दी जा रही है । आग न लगने के कारण अस्पताल, स्कूल, कॉलेज सहित संस्थानों को अग्निशमन विभाग द्वारा सील किया जा रहा है ।

राजकोट गेम जोन में आग लगने की घटना हुई. इसमें मासूम बच्चों समेत कई लोगों की मौत हो गई है. घटना के बाद सरकार एक्शन में आ गई है और राज्य भर में, अग्निशमन, नगर पालिकाओं ने आग की कमी वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की है । सूरत की बात करें तो सूरत में स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटलकपड़ा मार्केटसमेतकई फैक्ट्रियां फायर सेफ्टी के अभाव में सील कर दी गई हैं. वहीं इस कार्रवाई को लेकरव्यापारियों में हड़कंप मच गया है.फायरएनओसी के लिए जरूरी फायर उपकरण खरीदने के लिए लोग दुकान पर आ रहे हैं ।सूरत शहर के सभी अग्नि सामग्री विक्रेताओं के यहां इसी तरह भीड़ लग रही है । राजकोट अग्निकांड के बाद अब लोग जाग रहे हैं और अपने प्रतिष्ठानों में अग्निशमन उपकरण लगा रहे हैं ।

स्वर्ण व्यवसायी को दोस्ती का झांसा देकर की धोखाधड़ी

अहमदाबाद, ३१ मई । आज के कलियुग में भलाई करना अपराध हो गया है । कभी-कभी किसी अजनबी की मदद करने पर आपको लाखों रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं । ऐसी ही एक घटना हाल ही में अहमदाबाद शहर में हुई, घटना के विवरण के अनुसार, गाठिया ने शहर के कोट इलाके में एक सोने के व्यापारी खड़िया को फोन किया, जो उसके दोस्त शर्माजी की तरह लग रहा था, उसने कहा कि उसके भाई का एक्सीडेंट हो गया है और रुपये की मांग की । । यह कहकर कि आठ लाख रुपये की तत्काल आवश्यकता है, कुल मिलाकर । ३.९० लाख रुपये जब्त किये गये । एक दिन पहले जब स्वर्ण व्यवसायी की मित्रा शर्मा से बात हुई थी तो बताया गया था कि वह राजस्थान जा रहे हैं । गाठिया ने उसे दोस्त की तरह समझाया, लेकिन जब गाठिया ने फोन रखा तो व्यापारी ने अपने दोस्त को बुला लिया और भांडा फूट गया । इस संबंध में व्यवसायी ने गाठिया के खिलाफ खड़िया थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करायी है । वीरेंद्रभाई सोनी, जो रायपुर में रहते हैं और सोने-चांदी के आभूषण बनाने और बेचने का व्यवसाय करते हैं, के मोबाइल फोन पर ४ जनवरी की शाम को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया और वह उनके दोस्त शर्माजी बोल रहे थे और कह रहे थे । कि उनका एक्सीडेंट हो गया और डॉक्टर ने कहा कि उनके दोनों पैर काटने पड़ेंगे और इसका खर्चा आठ लाख है । उन्हें राजस्थान हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है । पिछले दिन दोस्त नरेंद्र भाई शर्मा ने फोन कर कहा कि वह राजस्थान जा रहे हैं । तो वीरेंद्र भाई को लगा कि उनका दोस्त बोल रहा है । बाद में, गाठिया ने अपने दोस्त के परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग नंबरों पर ऑनलाइन बताए और कुल रु । ३.९० लाख ट्रांसफर किए गए । बाद में, गाठिया ने पैसे वापस भेजने के लिए कहा, कुल मिलाकर रु. ४.७० लाख ट्रांसफर होने का गलत मैसेज भेजा गया । फिर फोन बंद कर दिया गया । तो वीरेंद्रभाई ने अपने दोस्त के नंबर पर कॉल किया और उन्हें पूरी बात पता चली और पता चला कि उनके साथ धोखा हुआ है । इस संबंध में वीरेंद्रभाई ने खड़िया थाने में अज्ञात गाठिया के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करायी है ।

एनएसडीसी और आईएलओ ने कौशल विकास और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

नई दिल्ली, 28 मई 2024: स्किल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने आज भारत और विश्व स्तर पर कौशल विकास और आजीवन सीखने को आगे बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

इस समझौता ज्ञापन पर एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी और आईएलओ के एम्प्लॉयमेंट पॉलिसी, जॉब क्रिएशन एंड लाइवलीहुड डिपार्टमेंट के डारेक्टर श्री संघोन ली ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में टैलेंट डेवलपमेंट में अपनी ताकत और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है। यह साझेदारी प्रभावी नीतियों, गवर्नेंस और फाइनेंसिंग स्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए समर्पित है जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास को बढ़ाएगी। इस साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) का कार्यान्वयन है। यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन कौशल विकास पहलों को सुव्यवस्थित करेगा, उनकी दक्षता, पहुंच और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाएगा।

भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि, ''हमें खुशी है कि हमारी साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) को अपनाना है और आईएलओ के सदस्य देशों में सरकारों, श्रमिकों और एम्प्लॉयर ऑर्गेनाइजेशन, कॉस्ट-इफेक्टिव मॉडल के आधार पर सिस्टम, प्रोसेस, स्किल डिलिवरी और जॉब मैचिंग को डिजिटल बनाने के लिए सिद्ध का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

स्पोर्ट्स क्लब के हजारों सदस्यों को सेवा कर का रिफंड देनें में क्लब के सदस्यों की अनिच्छा

अहमदाबाद, 30 मई, 2024 अहमदाबाद के नवरंगपुरा इलाके में स्पोर्ट्स क्लब ऑफ गुजरात अपने प्रबंधन के धमकी भरे व्यवहार और मनमाने व्यवहार के कारण क्लब के सदस्यों के निशाने पर आ गया है। क्लब को अपने सदस्यों से एकत्र किए गए शुल्क पर सेवा कर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यहां तक कि स्पोर्ट्स क्लब प्रबंधन द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भी अनदेखी की जा रही है. हजारों सदस्यों को अभी तक भुगतान किए गए सेवा कर का रिफंड नहीं मिला है। वहीं, अगर क्लब ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह भुगतान कब मिलेगा, तो सदस्यों ने बड़े पैमाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है.

इस बारे में क्लब मेंबर्स प्रोटेक्शन कमेटी के श्री राजेश ब्रह्मभट्ट ने कहा, ''मैं पिछले सात वर्षों से स्पोर्ट्स क्लब ऑफ गुजरात का सदस्य हूं। और मैंने सेवा कर की वापसी के संबंध में क्लब के प्रबंधन से कई बार निवेदन किया है। लेकिन, प्रबंधन की ओर से कोई स्पष्ट या संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है और उल्टे वे अभद्र व्यवहार कर रहे हैं. क्लब के अनुसार, 2005 और जुलाई 2017 के बीच, 2,511 सदस्यों ने प्रवेश शुल्क पर सेवा कर का भुगतान किया और रिफंड के लिए पात्र हैं। जिसकी कुल रकम करीब 10 लाख रुपये है. 5 करोड़ 47 लाख के बराबर है. हालाँकि, इनमें से केवल 243 सदस्यों को ही रुपये मिले। 75.62 लाख का भुगतान किया जा चुका है. प्रबंधन यह स्पष्ट नहीं कर रहा है कि शेष सदस्यों को रिफंड का भुगतान कब किया जायेगा. स्पोर्ट्स क्लब के लगभग 8,500 सदस्यों को 1000 रुपये का सेवा कर तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए बकाया राशि वापसी के संबंध में स्पष्ट एवं संतोषजनक जवाब नहीं देती है तो निकट भविष्य में हम लोग उच्चतम स्तर पर उपस्थित होकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के 2019 राज्य पश्चिम बंगाल बनाम. कलकत्ता क्लब लिमिटेड (2017) 5, एससीसी 356 के मामले में, यह माना गया कि क्लब और उसके सदस्य अलग-अलग संस्थाएं नहीं हैं और इसलिए क्लब द्वारा अपने सदस्यों को प्रदान की जाने वाली सेवाएं सेवाओं के प्रावधान के अंतर्गत नहीं आती हैं।

इसके अलावा राजेश ब्रह्मभट्ट का कहना है कि स्पोर्ट्स क्लब के 8500 सदस्य सम्मानपूर्वक मांग कर रहे हैं कि सरकार से मिलने वाले सर्विस टैक्स के करीब 10 करोड़ रुपये जल्द से जल्द मिलें.

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मण्डल

बिजली कार्य

ई-निविदा सूचना सं. सिनी.डीईई/टीआरडी/02 (2024-25) दिनांक: 27/05/2024, **क्रम सं.1: निविदा सं.** टीआरडी-एडीआई-टी-02-2024-25, **कार्य का नाम:** अहमदाबाद-पालनपुर अनुभाग :- कम्पोजिट प्रकार के स्टे ट्यूब, ब्रैकेट ट्यूब और 9-टन इन्सुलेटर को पोर्सिलेन इन्सुलेटर से बदलने का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹ 1,01,47,845/- **बयाना राशी:** ₹ 2,00,700/- **निविदा जमा करने एवं खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक: 24/06/2024 को 15:00 बजे उसके बाद नहिं एवं दिनांक: 24/06/2024 को 15:30 बजे निविदा खोली जायेगी। **कार्यालय का पता एवं वेबसाईट विवरण:** वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजीनियर, म.रे.प्र. कार्यालय (प.रे.), चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद-382345 । **वेबसाईट विवरण:** www.ireps.gov.in

ADI-050

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95